CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-223
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

इंदौर, सोमवार 18 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

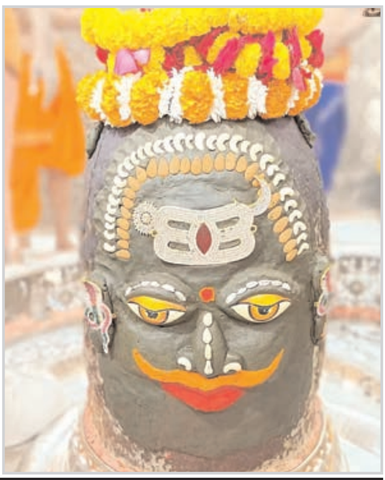

सुविचार

समय के साथ जीवन में परिवर्तन किजीये ,
वरना वक्त बदलने के लिए तिने नाही लगेगा।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

मणिपुर में नहीं थम रही हिंसा

इंफाल में भीड़ ने भाजपा विधायक के घर पर की तोड़फोड़

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार शाम को प्रदर्शनकारियों ने मयांग इंफाल में भाजपा विधायक कोंगखाम राबिंद्रो के पैतृक घर पर तोड़फोड़ की। इस दौरान विधायक घर पर नहीं मिले। विधायक के पिता ने लोगों को समझाया। उन्होंने कहा कि वह जो भी संदेश होगा, अपने बेटे को दे देंगे। भीड़ राज्य में विकास के संबंध में भाजपा विधायक का रुख जानना चाहती थी। इससे पहले भीड़ ने इंफाल में विधायक के दूसरे घर पर हमला किया था और आग लगा दी थी।

मणिपुर में हालात लगातार नाजुक बने हुए हैं। सैन्य बलों के अभियान में कुकी-जो समुदाय के 10 विद्रोहियों के मारे जाने के बाद जिरिबाम में मैतेई समुदाय के छह लोगों की लाशें मिलने से पूरे राज्य में जबरदस्त तनाव है। बताया गया है कि आतंकियों की तरफ से मैतेई समुदाय की तीन महिलाओं और तीन बच्चों का एक कैंप से कथित तौर पर अपहरण करने के बाद इन्हें मौत के घाट उतार दिया गया था। इसके बाद से ही पूरे क्षेत्र में हिंसा भड़क उठी और मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के दामाद समेत कई विधायकों और नेताओं के घरों को निशाना बनाया गया।

सीएम के पैतृक आवास पर भी हमले की हुई कोशिश शनिवार रात को प्रदर्शनकारी इंफाल पूर्वी के लुवांगशांगबाम में सीएम एन बीरेन सिंह के पैतृक आवास की ओर भी बढ़े थे, लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें 100-200 मीटर पहले ही रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि असम राइफल्स, बीएसएफ और राज्य बलों सहित सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियां चलाईं और सीएम के घर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश को नाकाम कर दिया। इसके बाद, प्रदर्शनकारियों ने बीरेन सिंह के घर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर टायर जलाए और वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए लोहे की रोड बिछा दी थी।

हिंसा रोकने को लेकर सीएम एन बीरेन सिंह की कोशिशों पर भी खड़े किए सवाल

मणिपुर में एनपीपी ने एनडीए सरकार से वापस लिया समर्थन

इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसा को देखते हुए नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने भाजपा नीत सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। जानकारी के मुताबिक एनपीपी ने राज्य में जारी हिंसा को रोकने लिए सीएम एन बीरेन सिंह की कोशिशों पर सवाल भी खड़े किए हैं। नेशनल पीपुल्स पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को राज्य में लंबे समय से चल रही अशांति के लिए जिम्मेदार ठहराया है। नेशनल पीपुल्स पार्टी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को लिखे पत्र में लिखा- नेशनल पीपुल्स पार्टी मणिपुर राज्य में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करना चाहती है। पिछले कुछ दिनों में, हमने स्थिति को और बिगड़ते देखा है, जहाँ कई निर्दोष लोगों की जान चली गई है और राज्य के लोग भारी पीड़ा से गुजर रहे हैं। हमें दृढ़ता से लगता है कि सीएम बीरेन सिंह के नेतृत्व में मणिपुर राज्य सरकार संकट को हल करने और सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, नेशनल पीपुल्स पार्टी ने मणिपुर राज्य में बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन तत्काल प्रभाव से वापस लेने का फैसला किया है।

बिना किसी समर्थन के भी सरकार चला सकती है भाजपा मणिपुर में फिलहाल भाजपा नीत सरकार पर एनपीपी के समर्थन लेने के बाद भी कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है, क्योंकि 60 विधानसभा सीट वाले राज्य में भाजपा के पास 37 सीटें हैं। इस तरह से भाजपा राज्य में बिना किसी समर्थन के सरकार चला सकती है, क्योंकि बहुमत के लिए भाजपा को किसी से समर्थन की जरूरत नहीं है। वहीं अन्य पार्टियों की बात करें तो इसमें नगा पीपुल्स फ्रंट के पांच सीटें, एनपीपी सात, जनता दल (यू) एक, निर्दलीय उम्मीदवार तीन, कांग्रेस के पास पांच सीटें और कुकी पीपुल्स अलायंस के पास विधानसभा में दो सीटें हैं।

7 जिलों में इंटरनेट बैन, 5 में कर्फ्यू विरोध प्रदर्शन के चलते मणिपुर के पांच घाटी जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है, जबकि सात जिलों में शनिवार शाम 5ः15 बजे से दो दिन के लिए इंटरनेट बैन कर दिया गया है। ये जिले हैं- इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचांदपुर। दरअसल, 11 नवंबर को वर्दी पहने हथियारबंद उग्रवादियों ने बोरोब्रेका थाना परिसर और सीआरपीएफ कैंप पर हमला किया था। इसमें 10 उग्रवादी मारे गए थे। इस दौरान जिरीबाम जिले के बोरोब्रेका थाना परिसर स्थित राहत शिविर से 6 लोगों को अगवा किया गया था।

इसरो ने चंद्रयान-2 को कोरियाई लूनर ऑर्बिटर से टकराने से बचाया

नई दिल्ली। इसरो ने हाल ही में चंद्रयान-2 को लेकर बड़ा कमाल किया है। दरअसल, इसरो न चंद्रयान-2 ऑर्बिटर और चंद्रमा के ऊपर कोरियाई पाथफाइंडर लूनर ऑर्बिटर (केपीएलओ) के बीच संभावित टक्कर को सफलतापूर्वक टाल दिया। यदि यह हादसा होता तो दोनों ऑर्बिटर को नुकसान हो सकता था, जो कि स्पेस जगत के लिए बड़ा झटका होता। सितंबर 2024 के लिए इसरो के अनक्लासिफाइड मंथली समरी के अनुसार, 19 सितंबर को निर्धारित चंद्रयान-2 ऑर्बिटर के लिए प्लांड मैनुअर को कोरियाई ऑर्बिटर के साथ टकराने को रोकने के लिए सावधानी से संशोधित किया गया था। माना जा रहा था कि एक अक्टूबर को यह टकराव हो सकता है और इसी वजह से कुछ ही दिन बचे होने के चलते इसरो ने तेजी से ऐक्शन लिया। एडजेस्टमेंट में ऑर्बिटर ओएम 87 के रास्ते को बदलना था। इसके अलावा, इसरो ने अगले मैनुअर ओएम 88 के टेंटेटिव प्लान में भी बदलाव किया था, ताकि नासा के एलआरओ समेत अन्य ऑर्बिटर के साथ इसकी किसी भी तरह के टकराव को रोका जा सके।

सीएम आतिशी खुद संभालेंगी कैलाश गहलोत वाले सारे विभाग

कोई नया मंत्री नहीं बनाएंगी मुख्यमंत्री, दिल्ली के एलजी को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत ने इस्तीफा दे दिया है। उनके पास परिवहन विभाग समेत कई विभागों की जिम्मेदारी थी। अब जानकारी सामने आई है कि सीएम आतिशी ही इन विभागों की कमान संभालेंगी। इसके लिए उन्होंने दिल्ली के एलजी को प्रस्ताव भेज दिया है। दिल्ली की नजफगढ़ सीट से विधानसभा पहुंचने वाले कैलाश गहलोत के पास दिल्ली सरकार के कई विभागों की जिम्मेदारियां थीं।

कैलाश गहलोत के पास परिवहन मंत्रालय से लेकर गृह मंत्रालय तक की जिम्मेदारी थी। इसके अलावा उनके पास प्रशासनिक सुधार, महिला और बाल विकास, सूचना प्रोद्योगिकी और प्रशासनिक सुधार जैसे बड़े विभाग थे। अब इन विभागों की जिम्मेदारी सीएम आतिशी संभालेंगीं।

सीएम आतिशी के मौजूदा विभाग दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के पास इस समय करीब 13 विभागों की कमान है। सीएम आतिशी के पास इस समय शिक्षा, पॉवर, लोक निर्माण विभाग, ट्रेनिंग और टेक्निकल एजूकेशन, जनसंपर्क विभाग, राजस्व, वित्त, सेवा, जल, सतर्कता, योजना और कानून न्याय और विधिक मामले जैसे विभाग हैं। इसके अलावा उनके पास उन सभी विशेष विभागों की जिम्मेदारी है जो किसी भी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए हैं।

इस समय करीब 13 विभागों की कमान दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के पास इस समय करीब 13 विभागों की कमान है। इसके अलावा अब उनके पास और भी जिम्मेदारियां आ जाएंगीं। आपको बता दें कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के जेल में जाने के दौरान भी पार्टी ने आतिशी पर भरोसा जताया था। उस समय भी मनीष सिसोदिया के विभाग आतिशी के पास पहुंचे थे। इसमें शिक्षा मंत्रालय की काफी चर्चा हुई थी।

इन मंत्रियों के पास कम विभागों की कमान सबसे कम विभाग इमाम हुसैन के पास हैं। उनके पास मात्र दो विभागों की जिम्मेदारी है, फूड एंड सप्लाई और इलेक्शन। वहीं इसके बाद मंत्री गोपाल राय का नाम आता है। इनके पास पर्यावरण, वन एवं वन्य जीवन, विकास और सामान्य प्रशासन विभाग की जिम्मेदारियां हैं। वहीं इस समय सीएम आतिशी के बाद सबसे ज्यादा विभागों की कमान सौरभ भारद्वाज संभाल रहे हैं।

सुनीता की सेहत सुधारी, मुस्कुराते हुए धरती को निहारा

न्यूर्याक। नासा की मशहूर अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक के साथ काम करके अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं। नासा की एक हालिया तस्वीर में उन्हें ऑर्बिटल आउटपोस्ट से पृथ्वी को निहारते हुए दिखाया गया है, जिससे उनके स्वास्थ्य के बारे में चिंता दूर हो गई है। विलियम्स ने हाल ही में किबो प्रयोगशाला मॉड्यूल में एस्ट्रोबी रोबोटिक फ्री-फ्लायर की जांच की। उन्होंने गेको जैसे चिपकने वाले पैड के साथ टेंटेकल्स जैसी अभिनव भुजायें स्थापित कीं। यह स्थापना उपग्रह कैप्चर तकनीकों के प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण है, जो भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण हैं। सैटेलाइट कैप्चर क्यूब के आकार और टोस्टर के आकार के एस्ट्रोबी रोबोट को पृथ्वी पर इंजीनियरों द्वारा दूर से संचालित किया जाता है। डॉकिंग युद्धाभ्यास करने और मुक्त-उड़ने वाली वस्तुओं को पकड़ने की उनकी क्षमता के लिए उनका परीक्षण किया जा रहा है। यह तकनीक उपग्रहों के जीवनकाल को बढ़ा सकती है और अंतरिक्ष मलबे को हटाने में सहायता कर सकती है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण में बढ़ती चिंता का विषय है।

यूपी-बिहार समेत विभिन्न राज्यों के लिए मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश ठंड तो कहीं छाएगा कोहरा

नई दिल्ली। उत्तर भारत में अब ठंड होने लगी है। कई राज्यों में तो सुबह और रात के समय घना कोहरा भी देखने को मिल रहा। मौसम विभाग ने उत्तर पश्चिम भारत के राज्यों में अगले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान के तीन डिग्री तक गिरने का अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही, मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि अगले दो दिनों तक, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तरी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा जैसे राज्यों में सुबह और रात के समय बहुत घना कोहरा छाया रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे में 17 और 18 नवंबर को हल्की से मध्यम बारिश होगी। आंधी तूफान व बिजली कड़कने की भी चेतावनी है। अंडमान और निकोबार में भी इस हफ्ते तक बारिश का अलर्ट है। उत्तर भारत की बात करें तो पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तरी राजस्थान, उत्तरी यूपी, बिहार में 17 की रात और 18 नवंबर की सुबह तक बहुत घना कोहरा देखने को मिलेगा। वहीं, हिमाचल प्रदेश में भी अगले पांच दिनों तक घना कोहरा छाया रहेगा। सब हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, पश्चिमी असम, मेघालय में 18 नवंबर तक कोहरे के छाए रहने का अनुमान है।

इस तरह रहा विभिन्न राज्यों का तापमान मध्य महाराष्ट्र, कोंकण, गोवा, उत्तरी कर्नाटक, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, मराठवाड़ा, तटीय कर्नाटक के इलाकों में न्यूतनम तापमान औसत से अधिक चल रहा है। आज मैदानी इलाकों में सबसे कम तापमान दिल्ली में 11.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में थोड़ी और गिरावट आई है। अधिकतम तापमान 28-30 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान 12-17 डिग्री सेल्सियस के बीच है। अधिकतम तापमान औसत से एक डिग्री जहां ज्यादा है, तो मिनिमम टेम्प्रेचर औसत से कई जगह चार डिग्री सेल्सियस तक अधिक बना हुआ है।

पीएम को विदेश मिला 17वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

मोदी नाइजीरिया में 'ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' से सम्मानित

नई दिल्ली। पीएम मोदी तीन देशों के दौरे पर हैं। पहले चरण के तहत वे नाइजीरिया पहुंचे। यहां प्रधान मंत्री मोदी का नाइजीरिया के संघीय गणराज्य की राजधानी अबूजा में संघीय राजधानी क्षेत्र के मंत्री नीसोम एजेनोव विके ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान यहां पीएम को ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी को विदेश मिला 17वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। नाइजीरिया के श्रेष्ठ पुरस्कार ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर से सम्मानित होने पर पीएम मोदी प्रतिक्रिया दी। मंच से पीएम ने अपने संबोधन में कहा, ॠभारत और नाइजीरिया के संबंध सहयोग, सद्भावना और आपसी सम्मान पर आधारित हैं। दो जीवंत लोकतंत्र और गतिशील अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, हम मिलकर दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए काम करेंगे ॠ दोनों देशों में सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता ही हमारी पहचान है, हमारी ताकत है।

नाइजीरिया में बड़ा सम्मान पाने वाले पीएम मोदी दूसरे गेस्ट नाइजीरिया प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर (जीसीओएन) से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले दूसरे हस्ती हैं। महारानी एलिजाबेथ एकमात्र अन्य विदेशी गणमान्य व्यक्ति हैं जिन्हें 1969 में जीसीओएन से सम्मानित किया गया था।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान, 1300 गुंडों की जांच की

एक ही रात में शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 115 पकड़ाए

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। पुलिस ने देर रात गुंडे-बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ कॉम्बिंग गश्त की। इस दौरान करीब 1300 बदमाशों की जांच की गई। इनमें से 583 पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा शराब पीकर वाहन चलाने वाले सौ से ज्यादा वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

शहर में पुलिस ने शनिवार रात को काम्बिंग गश्त चलाई। इस दौरान शहर में हर प्रमुख चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इसमें पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाते 115 लोगों को पकड़ा और उनके कोर्ट चालान बनाए। सभी का दस से लेकर पंद्रह हजार का चालान बनाया गया। पिछले कुछ समय से पुलिस लगातार वीकेंड पर शहर में कॉम्बिंग गश्त कर रही है। कल भी पुलिस ने शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर चेकिंग लगाई थी। लगातार कार्रवाई के बाद भी शहर के लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने से बाज नहीं आ रहे है। अब हर वीकेंड पर 100 से अधिक गाड़ियां पकड़ी जा रही हैं। इसके अलावा पुलिस ने कल रात अलग अलग टीमें बनाकर 1298 गुंडों के घर दस्तक दी। इसमें से 583 के खिलाफ कार्रवाई की गई। राजेंद्रनगर थाना क्षेत्र में एक वाहन चोर पुलिस के हाथ लगा। 330 वारंट तामिल किए गए। जिसमें 116 गिरफ्तारी वारंट थे। अवैध रूप से शराब बेचते 12 लोगों को पकड़ा गया।

हत्या के प्रयास का फरार वारंटी भी पकड़ा गया

इसके अलावा पुलिस ने 125 बदमाशों को पकड़ा उनका डोजियर भरवाया और उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस की टीमों ने रात भर में 67 नकबजन, 68 लुटेरे, 34 ड्रग्स पैडलरों और 40 जिलाबदर बदमाशों की तलाशी ली। इसके अलावा खजराना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में फरार एक वारंटी भी पकड़ा गया है, उससे पूछताछ भी की जा रही है, उसे जेल पहुंचाया जाएगा।

पूर्वी रिंग रोड पर वाहन चालकों को नहीं करना पड़ेगा सिग्नल का सामना

मूसाखेड़ी और आईटी पार्क चौराहे पर डेढ़ साल में बनकर तैयार हो जाएंगे ओवरब्रिज

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर का दस किलोमीटर लंबा पूर्वी रिंग रोड सिग्नल फ्री बनाने की तैयारी की जा रही है। इस मार्ग के सात में से चार चौराहों पर ब्रिज बन चुके है। दो चौराहों पर निर्माण शुरू हो चुका है। शेष बचे एमआर-9 चौराहे की प्लानिंग भी हो चुकी है।

प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सालभर पहले इंदौर के विकास की पहली बैठक ली थी। तब शहर के किसी एक मार्ग को सिग्नल फ्री करने योजना तैयार करने के लिए अफसरों को कहा था। इसके लिए रिंग रोड को चुना गया, क्योकि इस रोड पर चार ब्रिज बन चुके थे। बचे तीन चौराहों में से दो पर ब्रिज निर्माण शुरू हो चुका है। मेट्रो रुट के कारण एमआर-9 चौराहे पर अभी ब्रिज नहीं बन पाया है। पूर्वी रिंग रोड का दस किलोमीटर का हिस्सा एमआर-9 चौराहा से ही सिग्नल फ्री हिस्सा होगा,क्योकि रेडिसन चौराहा पर मेट्रो ट्रेक के कारण ब्रिज की प्लानिंग नहीं हो पाई है।

एक साथ दो चौराहों पर ब्रिज निर्माण शुरू

रिंग रोड के दो व्यस्त चौराहे मुसाखेड़ी और आईटी पार्क चौराहा पर दो माह पहले ब्रिज निर्माण शुरू हो चुका है। डेढ़ साल में दोनो ब्रिज बनकर तैयार हो जाएंगे। खजराना चौराहा की एक लेन ट्रैफिक के लिए खोल दी गई है, दूसरी लेन भी तैयार है। दो साल में सात में से छह चौराहे सिग्नल फ्री हो जाएंगे। मेट्रो का काम शुरू होने के बाद एमआर-9 चौराहा पर भी ब्रिज बन जाएगा। इसके अलावा राजीव गांधी चौराहा पर भी डेबल डेकर ब्रिज की प्लानिंग की जा रही है।

फोटो | ओपी सोनी

कार्यालय में चल रही मीटिंग के दौरान ही अगलवा करके ले गए खेत में, दो पर केस

किसानों ने बिजली काटने पर लाइनमैन की कर दी पिटाई

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में बिजली काटने से परेशान किसान एमपीईबी दफ्तर में चल रही मीटिंग के दौरान ही लाइनमैन को अगवा कर कार से ले गए। लाइनमैन का आरोप है कि खेत में ले जाकर न सिर्फ उसके साथ मारपीट की, बल्कि उस पर रुपयों के नुकसान की भरपाई करने का दबाव भी बनाया। गौतमपुरा टीआई अरूण सोलंकी ने बताया कि राजेन्द्र मस्कोले निवासी गौतमपुरा की शिकायत पर विनोद जयराम और विशाल पर केस दर्ज किया है, तीनों किसान हैं। बताया जा रहा है कि लाइनमैन इन किसानों के खेत की बिजली काट आया था। किसानों के खेत में एक कनेक्शन अवैध था। कल एमपीईबी कार्यालय शक्ति मंदिर नाके पर किसानों और एमपीईबी के अधिकारियों के बीच मामलों के निराकरण की मिटिंग चल रही थी, तभी तीनों ने लाइनमेन राजेंद्र को कार में बैठाया और अगवा कर खेत में ले गए। यहां उसकी जमकर पिटाई की और मांग की कि लाइन काटने से एक लाख का नुकसान हुआ उसकी भरपाई करे। पुलिस ने मारपीट करने वालों को पकड़ लिया है। इन दिनों किसानों को खेतों में सिंचाई की जरूरत पड़ रही थी, जिसके चलते बिजली का होना जरूरी होता है।

बापू गांधी नगर में घर में फांसी लगाकर दूध व्यापारी ने दी जान

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। शहर के बापू गांधी नगर में एक दूध विक्रेता ने आत्महत्या कर ली। शनिवार रात उसने बाथरूम में टीशर्ट का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। काफी देर तक बाथरूम से बाहर न आने पर उसकी पत्नी ने आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर उसने अपनी सास को बुलाया। दरवाजे का लॉक तोड़ने पर उसे अंदर मृत हालत में पाया गया। इसके बाद परिवार और पड़ोसियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस के मुताबिक मृतक का विक्की यादव (35) है। विक्की मवेशी पालन और दूध बेचने का काम करता था। उसके परिवार में पत्नी, दो छोटे बच्चे, मां और एक छोटा भाई हैं। बताया जा रहा है कि विक्की कुछ समय से नशे का आदी हो गया था, जिससे वह डिप्रेशन में रहने लगा था। पुलिस ने घटना स्थल की जांच के बाद बताया कि वहां से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की जांच अभी जारी है।

'चीनी कम तो जीवन में मिठास भरपूर' संदेश लेकर दौड़े इंदौरवासी

रैली में दिखा जोश और जागरूकता का संदेश

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। विश्व मधुमेह दिवस 2024 के उपलक्ष्य में आयोजित 'चीनी कम मिठास भरपूर रन-वॉक' और जागरूकता शिविर ने इंदौरवासियों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने का सार्थक प्रयास किया। इस आयोजन का नेतृत्व जाने-माने मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप जुल्का ने किया, जो इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (कटअ), लायंस क्लब और केयर सीएचएल अस्पताल के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

सुबह 6ः45 बजे मंगल सिटी मॉल से शुरू हुई रन-वॉक का फ्लैग ऑफ भारतीय हॉकी टीम के कोच मीर रंजन नेगी, आईएमए के प्रेसिडेंट नरेंद्र पाटीदार और मेजर जनरल श्रीकांत नीमा ने किया। रैली में बीएसएफ जवान, एनसीसी कैडेट्स, डॉक्टर, और मधुमेह मरीजों ने भाग लिया। रैली मंगल सिटी मॉल से रेडिसन होटल, सत्य सांई चौराहा होते हुए वापस मंगल सिटी मॉल पर समाप्त हुई।

स्वास्थ्य शिविर ने लोगों को दी स्वस्थ जीवनशैली की सीख

रैली के बाद, सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित स्वास्थ्य शिविर में टाइप 1 डायबिटीज से ग्रस्त बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए चित्रकारी प्रस्तुत की। साथ ही, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मधुमेह से बचाव और नियंत्रण के उपायों पर चर्चा की। केयर सीएचएल के मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप जुल्का ने बताया, मधुमेह एक गंभीर लेकिन नियंत्रित बीमारी है।

स्वस्थ जीवनशैली, सही खानपान, और नियमित व्यायाम से इसे रोका जा सकता है।

हम अपनी जीवनशैली में सुधार करें

यह आयोजन न केवल मधुमेह रोगियों बल्कि आम जनता के लिए भी जागरूकता बढ़ाने का एक अनूठा प्रयास था। चीनी कम मिठास भरपूर रन-वॉक और स्वास्थ्य शिविर ने यह संदेश दिया कि मधुमेह के साथ भी जीवन स्वस्थ और सुखद हो सकता है, बशर्ते हम अपनी जीवनशैली में सुधार करें। इस जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों का आभार हम भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लेते हैं।

लसूड़िया क्षेत्र में हादसा, लोगों ने ड्राइवर को बाहर निकालकर कर दी पिटाई

कार ने मारी दो युवतियों सहित आधा दर्जन लोगों को टक्कर

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। लसूड़िया इलाके में एक कार ने कई वाहनों को जोरदार टक्कर मारी और इसके बाद ड्रायवर कार लेकर एक दीवार में जा घुसा। बाद में लोगों ने कार से बाहर निकालकर ड्रायवर की बुरी तरह से पिटाई करदी। पुलिस ने उक्त मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि निपानिया के फूड कोर्ट के यहां पर कार के ड्रायवर ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो युवतियों सहित करीब आधा दर्जन लोगो को चोटे आई है। बताया जात है कि इस ड्रायवर ने कई दो पहिया वाहनों को ठोंका है। इसके बाद गुस्साए लोगो ने कार में बैठे ड्रायवर को बाहर निकालकर उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी कार ड्रायवर पर लापरवाही को लेकर केस दर्ज किया है। उससे पूछताछ की जा रही है। वही घायलो को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है।

बस ड्रायवर को कार सवार ने पीटा...

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। चदंन नगर में बस ड्रायवर को कार सवार ने पीट दिया। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि रितेश चौहान की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। रितेश ने बताया कि वह रघुवंशी ट्रेवल्स की इंदौर-थांदला बस चलाता है। शनिवार शाम को कलारिया पुल के यहां पर कार वाले ने साइड मांगी। इसके बाद हार्न देते हुए पहुंचा और ओवर टेक करते हुए बस के आगे कार लाकर लगा दी। इसके बाद गालियां देने लगा। इसके बाद कार चालक ने डंडा निकाला पीटा। बस ड्राइवर ने बाद में कार का नंबर कंडक्टर को बताकर उसके साथ थाने आकर केस दर्ज कराया ।

मेट्रोमोनियल साइट्स के माध्यम से पहचान के बाद हुई थी शादी

दहेज में कार और 20 लाख के लिए विवाहिता को किया प्रताड़ित

इंदौर। लसूड़िया थाना पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर उसके ससुराल वालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना के मामले में केस दर्ज किया है। ससुराल वालों ने महिला को कार और 20 लाख रुपए के लिए परेशान किया। इलाके में रहने वाली एक युवती की शादी छह साल पहले मेट्रोमोनियल साईट्स से संपर्क में आने के बाद उतरप्रदेश के युवक से हुई। शादी के बाद से उसे नौकरी करने और घर से दहेज लाने की बात पर प्रताड़ित किया जाने लगा। कुछ माह पहले पति ने उसे घर से निकाल दिया। पुलिस ने बताया कि स्वाति वर्मा की पहचान 2016 में मेट्रोमोनियल साइट्स के माध्यम से पहचान के बाद उतरप्रदेश के लखनउ में रहने वाले आशुतोष वर्मा से हुई थी। शादी मे मई 2017 में शादी हुई तो आशुतोष के पिता को ढाई लाख रुपए और 30 ग्राम सोन की अंगूठी दी गई। इसके बाद दहेज में उन्होने एसयूवी कार और 20 लाख की मांग की। पिताने इतना दहेज देने के मामले में असमर्थता जताई। इस पर आशुतोंष ने सगाई तोड़ने और शादी नहीं करने की धमकी दी। इसके बाद पति से बात कर इंदौर बुलाया। मई 2017 में शादी कर ली। इसमें सास ससुर नहीं आए। इसमें पिता ने करीब डेढ़ सौ ग्राम सोने के आभूषण दिए। इसके बाद सास ससुर ने आभूषझा मनकापुरी में बुलाए। इसके बाद मांगने पर नहीं दिए। आशुतोष और वह दोनो नौकरी के लिये बाहर चले गए। यहां उसे नौकरी नहीं मिल पाई तो आशुतोष ने मदद के लिये साफ इंकार करदिया। इसके बाद वह नौकरी नहीं होने से जलील करता। माता-पिता ने आशुतोष की विदेश में पढ़ाई कराने को लेकर पिता से 25 लाख के दहेज देने की बात कही। उन्होने कहा कि अगर यह पैसा नहीं आता है तो वह बेटे की दूसरी शादी करवा देंगे। इसके बाद आशुतोष और सास ससुर प्रताड़ित करने लग गए। उन्हे कई बार समझाने का प्रयास किया। लेकिन नहीं माने इसके बाद 2021 में नौकरी लग गई तो पति ने कहां कि सैलरी के रुपए अंकाउट में दे दिया करना। पति को अब तक करीब 21 लाख रुपए से ज्यादा सेलरी के दे चुकी है। आशुतोष सोशल मीडिया पर अन्य महिलाओं से संपर्क में है। वह प्रताड़ित करता है।

3 लाख के लिये किया प्रताड़ित,पति सहित चार पर केस

सदर बाजार में रहने वाली एक महिला ने पति सहित चार लोगो पर दहेज प्रताड़ना के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि पायल तिलवे की शिकायत पर विनय तिलवे,राजकुमारी नेहा राहुल और अन्य लोगो पर केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि 2022 में उसकी शादी हुई। इसके बाद से ही दहेज को लेकर उन्हें प्रताड़ित किये जाने लगा। पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने उससे 3 लाख की मांग की। रुपए नहीं देने के चलते सितंबर में उसे घर से निकाल दिया। तब से वह मायके में रह रही है। पीड़िता ने बताया कि परेशान होकर उसने थाने में शिकायत की। उसे जो दहेज में सामान दिया था। उसकी जानकारी पुलिस को पीड़िता ने अलग से देने की बात कही है।

झांसी के अस्पताल में 10 नवजातों की मौत के बाद मध्यप्रदेश में सभी सरकारी व निजी चिकित्सालयों, नर्सिंग होम और क्लीनिक संचालकों को निर्देश

अस्पतालों को अनिवार्य रूप से कराना होगा इलेक्ट्रिकल और फायर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। झांसी, उत्तर प्रदेश के रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में हाल ही में हुई अग्नि दुर्घटना ने 10 नवजात शिशुओं की जान ले ली। इस भयावह घटना के बाद मप्र का स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर आ गया है। शनिवार को विभाग ने निजी व सरकारी सभी अस्पतालों को फायर और इलेक्ट्रिकल सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

राजधानी के सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि सरकारी व निजी चिकित्सालयों, नर्सिंग होम और क्लीनिकों के अध्यक्षों को निर्देशित किया है कि वे अपनी संस्थाओं का

इलेक्ट्रिकल और फायर ऑडिट अनिवार्य रूप से कराएं। फायर सिस्टम और फायर एक्सटिंग्विशर की स्थिति चालू होनी चाहिए। इन्हें समय-समय पर रिफिल कराया होना भी अनिवार्य है। नियमित अंतराल पर फायर ड्रिल कराई जाए और इसका लेखा-जोखा भी रखें। इसके अतिरिक्त आकस्मिक निकास द्वार बाधा रहित और सुलभ होना चाहिए।

आपात स्थित में वार्ड खाली कराने का दिया जाए प्रशिक्षण

स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों में यह भी साफ कहा गया है कि सभी चिकित्सकों, पैरामेडिकल और सहायक स्टाफ को आपातकालीन स्थितियों में वार्ड खाली कराने का प्रशिक्षण दिलाया जाए। ध्यान रखा जाए कि विद्युत उपकरणों के उपयोग के दौरान खुले तारों या बिना प्लग के उपकरणों का उपयोग न हो। बिजली प्रणाली पर स्वीकृत भार से अधिक भार ना हो। आवश्यकता पड़ने पर बिजली कंपनी से अतिरिक्त भार स्वीकृत कराया जाए। ऑक्सीजन और अन्य ज्वलनशील पदार्थों को विद्युत उपकरणों और स्विच बोर्ड्स से दूर रखा जाए।

किसी भी चूक के व्यक्तिगत रूप से होंगे जिम्मेदार

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देश में बताए गए उपायों की जिम्मेदारी संस्था प्रमुख की होगी। किसी भी चूक के लिए वे व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। इनकी जांच के लिए विभाग द्वारा औचक निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान यदि कोई अनियमितता पाई जाती है, तो ऐसे संस्थानों को तुरंत बंद कर दिया जाएगा। यही नहीं, संचालकों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

तीन साल पहले हमीदिया में हुआ था हादसा

यहां पर यह बता दें कि नवंबर 2021 में राजधानी के हमीदिया परिसर में बने कमला नेहरू अस्पताल में भीषण आग लग गई, जिसमें 5 बच्चे जिंदा जल गए थे। बाद में जांच के दौरान सामने आया कि अस्पताल में आग से बचाव के कोई इंतजाम नहीं थे। फायर कर्मियों ने अस्पताल में लगे ऑटोमेटिक हाईड्रेंट को देखा तो वो खराब पड़ा था। हर फ्लोर पर फायर एक्सटिंग्विशर तो थे, लेकिन काम नहीं कर रहे थे।

बांधवगढ़ अभयारण्य में पूरा स्टाफ बदलने की तैयारी

बाघों और हाथियों की मौत के बाद एक्शन में वन विभाग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में बाघों और दो-तीन दिन के अंतराल में 10 हाथियों की मौत से हाल ही में चर्चा में आए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पूरा स्टाफ बदलने की तैयारी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की नाराजगी के बाद वन मुख्यालय ने इसकी कवायद शुरू कर दी है।

दरअसल, ऐसे कई अधिकारी- कर्मचारी है, जो वर्षों से यहां एक ही जगह पदस्थ हैं। इस घटना के बाद, बांधवगढ़ में वर्ष 2021 से अब तक 46 से अधिक बाघों की मौत पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने संज्ञान लिया था, वहीं हाथियों की मौत पर पीएमओ ने रिपोर्ट तलब की है। इसी बीच दिल्ली से भोपाल आए महानिदेशक (डीजी) वन जितेंद्र कुमार के समक्ष भी वन विभाग के अधिकारियों ने प्रदेश में वन्यजीव प्रबंधन की कार्ययोजना प्रस्तुत की थी। डीजी जितेंद्र कुमार ने भी बाघों और हाथियों की मौत पर चिंता जताई है। बताया गया है कि इस बार 10 की जगह 25 वर्ष की वन्यप्राणी प्रबंधन कार्ययोजना बनाई जाएगी। इसी आधार पर केंद्र सरकार से बजट मांगा जाएगा।

तीन साल में 155 से अधिक बाघों की मौत

बाघों की बात करें तो मध्य प्रदेश में वर्ष 2021 से मार्च, 2024 के बीच 155 से अधिक बाघों की मौत दर्ज की गई। इसमें भी सर्वाधिक बाघों की मौत बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व व उससे सटे जंगल में हुई है। बांधवगढ़

में 46 से अधिक बाघों की मौत हुई है।

जांच में भी मिली लापरवाही

बांधवगढ़ में बाघों की मौत के लिए शिकार से लेकर उनके बीच आपसी संघर्ष और सामान्य मृत्यु के तथ्य सामने आए हैं। बाघों की मौत की जांच के लिए बनाई गई समिति ने मौके पर पहुंचकर हर पहलू की जांच की। इसमें चौंकाने वाले तथ्य मिले हैं। घटनास्थल की जांच के दौरान श्वान दल और मेटल डिटेक्टर नहीं ले जाया गया। साक्ष्य भी सुरक्षित नहीं रखे गए। जिसके चलते कोर्ट में प्रकरण कमजोर रहा। बाघ की मौत के अधिकांश प्रकरणों में रिपोर्ट ही दर्ज नहीं की गई गई। उनके शव के पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी नहीं की गई है और पोस्टमार्टम के दौरान डाक्टर मौजूद नहीं रहे, जिसके चलते मौत या शिकार की स्पष्टता नहीं हो सकी।

शिकार वाले क्षेत्रों में सुरक्षा इंतजाम ही नहीं थे। यह रिपोर्ट स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) प्रभारी रितेश सरोठिया ने तत्कालीन प्रभारी वन्यप्राणी अभिरक्षक सुभरंजन सेन को सौंपी थी। रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं हुई है।

बंदियों के पैरोल जंप कर फरार होने का सिलसिला जारी

हत्या की सजा काट रहे दो कैदी केंद्रीय जेल से फरार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। ग्वालियर की केंद्रीय जेल से बंदियों के पैरोल जंप कर फरार होने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बीते दो रोज में हत्या जैसे जघन्य अपराध में सजा काट रहे दो बंदी पैरोल जंप कर फरार हुए हैं।जेल प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने फरार बंदियों और उनके जमानतदारों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

जेल प्रबंधन ने बहोड़ापुर थाना पुलिस से शिकायत की है कि भितरवार निवासी कमलेश पुत्र पन्नालाल बाथम हत्या और ऑर्म्स एक्ट के मामले में सजा काट रहा है। 26 अक्तूबर को उसे 50 हजार रुपये की जमानत पर 15 दिन के पैरोल पर छोड़ा गया था। उसे 15 नवंबर को वापस आना था। लेकिन

वह वापस नहीं आए तो उनकी जानकारी ली। जब बंदी वापस नहीं आया तो जेल प्रबंधन ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश दिए, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

वहीं, केंद्रीय कारागार का ही एक और बंदी गुना निवासी बंटी यादव की पैरोल 13 नवंबर को खत्म हुई। लेकिन बंदी लौटकर केंद्रीय कारागार नहीं पहुंचा, जिस पर जेल प्रबंधन की शिकायत पर फर्रबंदी और उसके जमानतदार के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निरंजन शर्मा का कहना है कि फरार बंदियों की पुलिस ने तलाश शुरू कर दिया, जल्द उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

पत्रिका छपवाकर रिश्तेदारों में बंटवाई, तस्वीर पर माला पहनाकर मौत के बाद निभाई जाने वाली रस्में भी अदा कर दीं

परिवार के खिलाफ लड़की ने की शादी, घर वालों ने किया क्रियाकर्म

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के मंदसौर में बहन के प्रेम विवाह से नाराज भाई ने जीवित बहन का सांकेतिक क्रियाकर्म करते हुए मृत्यु भोज तक दे डाला। इसके लिए युवती के भाई ने बकायदा गोरनी (मृत्युभोज) आयोजन की पत्रिका छपवाकर रिश्तेदारों में बंटवाई और फिर शनिवार 16 नवंबर को बहन की फोटो लगी तस्वीर पर माला पहनाकर मौत के बाद निभाई जाने वाली रस्में भी अदा कर दीं।

बहन ने शादी करने के बाद परिजनों को पहचानने से इनकार कर दिया था। इस बात से भाई को बहुत ठेस पहुंची और उसने यह कदम उठा लिया। यह मामला मंदसौर जिले की सीतामऊ तहसील के दलावदा गांव का है, जहां रहने वाली रानू नाम की एक युवती 12 नवंबर को अपने प्रेमी के साथ घर से भाग गई थी और फिर उन दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया था।

युवती ने पहचानने से इनकार किया

युवती के लापता होने पर परिजनों ने सीतामऊ थाने में युवती की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसके अगले दिन पुलिस युवती और उसके प्रेमी को खोज कर थाने ले आई। यहां युवती ने अपने बयान में कहा कि वो किसी को नहीं जानती है, उसका कोई परिवार नहीं है। उसके इस तरह परिवार से मुंह फेर लेने से नाराज परिजनों ने उसे मरा मानकर उससे रिश्ता तोड़ लिया और इसके बाद उसके क्रियाकर्म का कार्यक्रम कर दिया।

80 साल की दादी ने पैर तक पकड़े, फिर भी नहीं मानी

युवती के पिता नहीं हैं ऐसे में थाने में युवती की मां और दादी ने उसे समझाने की कोशिश की और उसकी पसंद के लड़के से ही शादी कराने का आश्वासन भी दिया। यहां तक कि युवती की 80 साल की दादी ने उसके पैर तक पकड़ लिए और कहा कि बेटी घर चलो हम दो दिन बाद लगन निकलवाकर इसी लड़के से तेरी शादी करवा देंगे। लेकिन फिर भी युवती नहीं मानी। परिवार ने समाज के मान सम्मान की बात कहते हुए भी उसे समझाया लेकिन वह नहीं मानी। युवती के बात नहीं मानने पर परिवार ने अपनी जीवित बेटी का सांकेतिक क्रिया कर्म करते हुए घर में रखे उसके सामान को जला दिया। साथ ही अन्य शोक पत्रिका छपवाते हुए मृत्युभोज का भी आयोजन कर दिया। इस बारे में जानकारी देते हुए युवती के मामा ने बताया कि हमने रानू को बहुत लाड़ प्यार से बड़ा किया था। दो महीने बाद उसकी शादी होने वाली थी। इससे पहले ही उसने पास के गांव गुराड़िया गौड़ के रहने वाले एक युवक के साथ भागकर शादी कर ली।

भाई बोला- उसने हमें पहचानने से इनकार किया

उधर युवती के भाई विनोद ने जानकारी देते हुए कहा कि वो बिना बताए कहीं चली गई थी, जिसके बाद हमने उसे खूब ढूंढा और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद जब पुलिस उसे लेकर आई तो उसने अपने बयान में हमें पहचानने से इनकार कर दिया। उसने कहा कि मैं किसी को नहीं जानती।

ना मेरा कोई भाई है, ना मम्मी, ना मासाजी, ना मामाजी। जिसके बाद हमने यह गोरनी का कार्यक्रम रखा। जिसमें 200 से 300 लोग शामिल हुए।

संदिग्ध अवस्था में साड़ी के फंदे पर लटका था शव, घटना के बाद गायब हो गए थे ससुराल वाले

आरपीएफ जवान की पत्नी ने लगाई फांसी, हत्या का आरोप

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के बजरिया इलाके में आरपीएफ जवान की पत्नी का शव संदिग्ध अवस्था में फंदे पर लटका मिला। महिला के चेहरे पर चोट के निशान थे और उसके पैर में कपड़ा बंधे होने की बात सामने आई है।

मृतक महिला के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। महिला के स्वजनों का आरोप है कि उसका पति और पूरा ससुराल पक्ष दहेज को लेकर प्रताड़ित करता था। उन्होंने ही महिला की हत्या कर उसका शव फंदे पर टांग दिया था। वहीं बजरिया थाना पुलिस प्रारंभिक तौर पर इसे खुदकुशी मान रही है। पुलिस का कहना है सभी पहलुओं पर जांच की जाएगी, फिलहाल मर्ग कायम किया गया है। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि इसी वर्ष 14 फरवरी को सुशील कुमार मंडराई और कृतिका ग्वाले की शादी हुई थी। सुशील अपने परिवार के साथ द्वारका नगर में रहते हैं, जबकि कृतिका का मायका राजधानी के रत्नागिरी में है। सुशील आरपीएफ में पदस्थ हैं और वे शादी के पहले से उसकी पोस्टिंग मुंबई के पनवेल में हैं।कृतिका ससुराल में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करती थीं। इसी सप्ताह गुरुवार को सुशील मुंबई से अपने घर लौटा था।

पड़ोसियों को घर से सुनाई दिया था शोर

पड़ोसियों के मुताबिक शनिवार रात नौ से दस बजे के बीच उनके घर से शोर सुनाई दे रहा था। सुशील की बहन ने साढ़े दस बजे कृतिका के पिता को फोन कर उसकी खुदकुशी की जानकारी दी। स्वजन बेटी के ससुराल पहुंचते इससे पहले ही सुशील घर से भाग गया। वहां महिला के सास-ससुर और पुलिस मौजूद थी। कृतिका के भाई संतोष ने बताया कि शादी के दहेज में हमने बुलेट और घर के अन्य सामान दिए थे लेकिन बाद में सुशील ने कार और प्लाट की मांग की थी। एक महीने बाद उसने कृतिका को परेशान करना शुरू कर दिया था और कई बार मारपीट भी करता था। वह मुंबई में पोस्टेड था, लेकिन कृतिका को साथ लेकर नहीं जाता था। एक बार सिर्फ एक दिन के लिए उसे मुंबई लेकर गया था। जहां पहले से कई लड़के-लड़कियां उसके कमरे पर मौजूद थे। इसके अगले ही दिन कृतिका घर वापस आ गई थी।

कागजी-विकास के भरोसे कब तक तालियां बजाएगी सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रहे हैं। हालही में उन्होंने प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्रियल कांक्लेव का आयोजन करवाया था अब विदेश में उद्योग तलाश करने जा रहे हैं। एमपी कांग्रेस मुख्यमंत्री के विदेश दौरे पर हमलावर हो गई है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश में निवेश के नाम पर खुली नौटंकी चल रही है। सरकारी प्रचार-प्रसार के नाम पर करोड़ों रुपया फूंका जा रहा है, लेकिन कल्पना का कागजी निवेश जमीन पर नहीं आ पा रहा है। देश-प्रदेश में घूमकर मन भर गया तो मुख्यमंत्री के साथ मुंगेरियों की टोली अब विदेश में सरकारी-पर्यटन की संभावनाएं टटोल रही हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि विदेशी निवेशकों को बुलाने के लिए मुख्यमंत्री के साथ अफसर की एक टीम इंग्लैंड के लंदन और जर्मनी के म्यूनिख और बर्लिन जैसे शहरों में रोड-शो की तैयारी कर रही है। प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर अब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री भी अंतरराष्ट्रीय-पर्यटक बनना चाहते हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि सरकार की योजना और क्रियान्वयन पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नौकरशाही के चंद चेहरे कागजों में नकली कायदों में असली फायदे दिखाकर सत्ता को गुमराह कर रहे हैं और सरकार का मासूम-मुखिया कल्पना में औद्योगिक विकास देखकर तालियां बजा रहा है। पूर्ववर्ती शिवराज सरकार के नक्शे कदम पर चलते हुए मोहन सरकार ने अधिकारियों के प्रभाव में आकर पहले ही गलतियां कर चुकी हैं। उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा में रीजनल इंडस्ट्रियल कांक्लेव का आयोजन तो कर लिया, परंतु कागजी घोषणाएं अब तक इलाके की औद्योगिक जमीन भी नहीं देख पाई हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि मध्य प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्रियल कांक्लेव जैसी पहल निवेश आकर्षण और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की जाती हैं, लेकिन ये जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं डाल पा रही हैं।

हरदा विस्फोट पीड़ितों को 9 माह में नहीं मिला मुआवजा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश के हरदा में 9 महीने पहले पटाखा फैक्ट्री में भारी विस्फोट को 9 महीने बीत गए लेकिन अभी तक पीड़ितों को मुआवजा नहीं मिल पाया है। इसे लेकर पीड़ित हरदा से भोपाल तक पैदल यात्रा कर रहे हैं। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मध्य प्रदेश सरकार को जमकर घेरा है उन्होंने मुख्यमंत्री से पांच सवाल भी किए हैं। सोशल मीडिया पर हरदा से पैदल भोपाल आ रहे विस्फोट प्रभावितों के वीडियो वायरल हो रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसके लिए हरदा कलेक्टर और एसपी को जिम्मेदार ठहराते हुए पीड़ितों को मुआवजा दिलाने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि भाजपा सरकार प्रशासन के माध्यम से मजबूर जनता का शोषण और दमन करने पर उतारू है। हरदा पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट के पीड़ित पिछले 9 महीनों से मुआवजे की आस में दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें मुआवजा नहीं दिया गया है। सिंघार ने इस मामले में मुख्यमंत्री से पांच सवाल पूछे हैं। साथ ही उन्होंने कहा है कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार जनता की दुश्मन और जन-विरोधी बन चुकी है। मौन यादव (मोहन यादव) मुंह पर उंगली रख के बैठे हैं, अब यह असहनीय है।गौरतलब है कि सिंघार ने जो वीडियो पोस्ट किया है उसमें पीड़ित से पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी बात कर उन्हें रोकने की कोशिश कर रहे हैं और पीड़ित कह रहे हैं कि किडनी खराब है, मुआवजा नहीं दिया जा रहा है।

सम्पादकीय

सामूहिक रूप से हो पर्यावरण संरक्षण के प्रयास

भारत ने पहले ही व्यापार बाधाओं और कार्बन उत्सर्जन को जोड़ने वाले 'संरक्षणवादी' उपायों के प्रति अपनी अस्वीकृति व्यक्त की है। एक और महत्वपूर्ण कदम न्यू कलेक्टिव क्वांटिफाइड गोल का पहला मसौदा जारी करना था, जो उस धनराशि का अनुमान है जो विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने और विकास संबंधी जरूरतों से समझौता किए बिना नवीकरणीय स्त्रोतों पर जाने के लिए विकसित देशों से सामूहिक रूप से चाहिए होगी। फिर भी, इस मसौदे में चेतावनियों की अधिकता - इसमें विभिन्न तत्वों में 100 से अधिक विकल्प और लगभग 500 कोष्ठकित शर्तें हैं - यह दशार्ता है कि देश एक-दूसरे के साथ आधे रास्ते पर मिलने से इनकार कर रहे हैं।

एक सप्ताह बीत चुका है, एक सप्ताह बाकी है। बाकू, अजरबैजान में चल रहे 29वें कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज - ??जिसे 'पृथ्वी का आखिरी मौका' कहा जाता है - के आधे रास्ते में, ऐसा लगता है कि जलवायु के कारण जितनी अधिक चीजें बदलती हैं, उतनी ही वे सौम्य नीतिगत हस्तक्षेपों के मामले में समान रहती हैं। कुछ घटनाक्रमों पर विचार करें। पहले दिन, सम्मेलन की अध्यक्षता ने देशों की बहस को दरकिनार करते हुए संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाले कार्बन बाजारों के लिए दो प्रमुख मानकों का समर्थन किया। पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6.4 पर घोषणा को कार्बन बाजार शुरू करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया गया क्योंकि इस पर कॉप 28 में सहमति नहीं बन पाई थी। जबकि कार्बन बाजार की स्थापना को और अधिक टाला गया, इसके संचालन या कार्यान्वयन के बारे में कुछ भी चर्चा नहीं की गई। यह वह जगह है जहाँ देशों के असहमत होने की संभावना है। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मानकीकृत रिपोर्टिंग प्रारूपों का तर्क देता है, लेकिन विकासशील देश इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इससे प्रशासनिक बोझ पड़ेगा। भारत ने पहले ही व्यापार बाधाओं और कार्बन उत्सर्जन को जोड़ने वाले 'संरक्षणवादी' उपायों के प्रति अपनी अस्वीकृति व्यक्त की है। एक और महत्वपूर्ण कदम न्यू कलेक्टिव क्वांटिफाइड गोल का पहला मसौदा जारी करना था, जो उस धनराशि का अनुमान है जो विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने और विकास संबंधी जरूरतों से समझौता किए बिना नवीकरणीय स्त्रोतों पर जाने के लिए विकसित देशों से सामूहिक रूप से चाहिए होगी। फिर भी, इस मसौदे में चेतावनियों की अधिकता - इसमें विभिन्न तत्वों में 100 से अधिक विकल्प और लगभग 500 कोष्ठकित शर्तें हैं - यह दशार्ता है कि देश एक-दूसरे के साथ आधे रास्ते पर मिलने से इनकार कर रहे हैं। जी77 और चीन ब्लॉक - 134 विकासशील देशों के सदस्यों वाला सबसे बड़ा ब्लॉक - पहले ही एनसीक्यूजी पर 'मसौदा वार्ता पाठ के लिए मूल रूपरेखा' को अस्वीकार कर चुका है, यह दावा करते हुए कि उसके विचारों का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व किया गया था। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रम्प के संयुक्त राज्य अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति होने के कारण, यह अनिश्चित है कि क्या अमेरिका विकासशील देशों की मदद करने के लिए वित्तीय रूप से योगदान करना जारी रखेगा - ऐसा कुछ जिसे श्री ट्रम्प ने बार-बार न करने की कसम खाई है। श्री ट्रम्प अकेले ऐसे विश्व नेता नहीं हैं जो जलवायु वार्ता को खतरे में डाल सकते हैं। जलवायु परिवर्तन को नकारने वाले राष्ट्रपति जेवियर माइली के नेतृत्व में अर्जेंटीना ने अपने प्रतिनिधिमंडल को सीओपी 29 से वापस बुला लिया। ऐसी अफवाहें हैं कि उन्होंने पेरिस समझौते से बाहर निकलने पर चर्चा करने के लिए श्री ट्रम्प से मुलाकात की। कॉप 29 में अपने देश की वार्ता का नेतृत्व करने वाली फ्रांसीसी मंत्री ने मेजबान, अजरबैजान के साथ भू-राजनीतिक असहमति के कारण अंतिम समय में बाहर निकल लिया। मेजबान देश के राष्ट्रपति ने सम्मेलन में यह भी कहा कि तेल और गैस 'ईश्वर का उपहार' हैं, जिससे जीवाश्म ईंधन में कटौती करने की उनकी प्रतिबद्धता संदिग्ध लगती है। भारत, जिसने सीओपी 28 में जलवायु मुद्दों पर वैश्विक दक्षिण की आवाज बनने के अपने इरादे की घोषणा की, ने पहले सप्ताह के उच्च-स्तरीय संवादों में भाग नहीं लिया। वास्तव में, इस वर्ष इसकी उपस्थिति काफी कम है- प्रधान मंत्री और पर्यावरण मंत्री शिखर सम्मेलन से दूर रह रहे हैं। हालांकि, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उत्सर्जन में कटौती बढ़ाने पर अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है - यकीनन जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण कदम है - भले ही 2024 रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष रहा हो, जिसमें दुनिया को पूर्व-औद्योगिक युग के तापमान से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक गर्म न होने देने के लक्ष्य को लगातार पार किया जा रहा है।

खतरनाक है हिमालय पर लाखों वाहनों का चढ़ना!

सन 1968 में जब पहली बार बद्रीनाथ बस पहुंची थी तो वहां तब तक लगभग 60 हजार यात्री पहुंचते थे। लेकिन यह संख्या अब 13 लाख सालाना पार कर गयी है। इन यात्रियों के साथ मात्र 6 माह में लगभग 1.50 लाख वाहन बद्रीनाथ पहुंच रहे हैं। गंगोत्री में इस बार 8,15,273 यात्री और 88,236 वाहन 3 नवम्बर तक पहुंच चुके थे। पहले ज्यादातर यात्री बसों में सफर करते थे और औसतन एक बस 30 यात्रियों को ढो लेती थी। लेकिन अब अधिकतम 5 लोग कारें लेकर यात्रा कर रहे हैं जिस कारण वाहनों का भारी दबाव हिमालय पर बढ़ता जा रहा है। जिसका विपरीत असर हिमालय के पारितंत्र पर पड़ने के साथ ही अतिवृष्टि, बादल फटने, त्वरित बाढ़ और आसमानी बिजली गिरने जैसी आपदाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही उनकी आवृति भी बढ़ रही है।

हिमालय के चार धामों में से केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री समेत तीन धामों की इस साल की यात्रा का समापन हो गया और अब शेष बदरीनाथ के कपाट आगामी 17 नवंबर को बंद होने हैं। तीन धामों के यात्रावसान तक देशभर के 46,34,448 श्रद्धालु यात्रा कर लौट चुके थे। बहुत ही संवेदनशील हिमालय के पर्यावरण पर यात्रियों की इस बाढ़ का असर तो पड़ ही रहा है, लेकिन उससे अधिक गंभीर विषय हिमालय पर और खास कर गंगा के श्रोत गंगोत्री और सतोपन्थ जैसे तेजी से पीछे खिसक रहे ग्लेशियरों पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ का है।

यह भीड़ सीधे वैश्विक और स्थानीय तापमान को बढ़ा रही है जिसका दुष्परिणाम जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम के कारण उत्पन्न दैवी आपदाओं के रूप में रूप में सामने नजर आ रहे हैं। चूंकि हिमालय ऐशिया का जलस्तंभ होने के साथ ही मौसम का नियंत्रक भी है और यह ऐशिया के पांच देशों से जुड़ा हुआ है। इसलिये हिमालय की चिन्ता केवल उत्तराखण्ड तक ही सीमित नहीं है। इसलिये हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में यात्री वाहनों की संख्या बढ़ाने के बजाय उस पर सख्त नियमन की आवश्यकता है।

उत्तराखण्ड हिमालय की तीन धामों की सालाना यात्रा समाप्ति के दिन तक चारों धामों में से दो तक सीधे और दो धामों के बहुत निकट तक 5,21,915 वाहन यात्रियों को लेकर पहुंच चुके थे। इनमें से भी सीधे बदरीनाथ और गंगोत्री पहुंचने वाले वाहनों से उत्सर्जित प्रदूषकों का सीधा असर सतोपन्थ और गंगोत्री ग्लेशियर समूहों पर पड़ना स्वाभाविक ही है। केदारनाथ पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या तो हर साल कीर्तिमान बना ही रही थी, लेकिन इस बार केदार घाटी पहुंचने वाले यात्री वाहनों ने भी रिकार्ड तोड़ दिया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले वाहनों की संख्या 1,87,590 तक पहुंच गयी जबकि पिछले यह संख्या केवल 88,236 थी। इसरो की रिपोर्ट के अनुसार, यह घाटी भूस्खलन की दृष्टि से देश में सर्वाधिक संवेदनशील है और मुख्य केंद्रीय भ्रंश के निकट होने के कारण यह भूकम्प के मुहाने पर भी बैठी है। इसलिये इस क्षेत्र में क्षमता से अधिक मानव दबाव को बहुत जोखिमपूर्ण माना गया है।

सन 1968 में जब पहली बार बद्रीनाथ बस पहुंची थी तो वहां तब तक लगभग 60 हजार यात्री पहुंचते थे। लेकिन यह संख्या अब 13 लाख सालाना पार कर गयी है। इन यात्रियों के साथ मात्र 6 माह में लगभग 1.50 लाख वाहन बद्रीनाथ पहुंच रहे हैं। गंगोत्री में इस बार 8,15,273 यात्री और 88,236 वाहन 3 नवम्बर तक पहुंच चुके थे। पहले ज्यादातर यात्री बसों में सफर करते थे और औसतन एक बस 30 यात्रियों को ढो लेती थी। लेकिन अब अधिकतम 5 लोग लोग कारें लेकर यात्रा कर रहे हैं जिस कारण वाहनों का भारी दबाव हिमालय पर बढ़ता जा रहा है। जिसका विपरीत असर हिमालय के पारितंत्र पर पड़ने के साथ ही अतिवृष्टि, बादल फटने, त्वरित बाढ़ और आसमानी बिजली गिरने जैसी आपदाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही उनकी आवृति भी बढ़ रही है।

विशेषज्ञों की माने तो मैदानी क्षेत्र की तुलना में पहाड़ों पर वाहनों का प्रदूषण चार गुना अधिक होता है। मैदानों में सामान्यत- वाहन तीसरे और चौथे गेयर में औसतन 60 किमी की गति से चलते हैं।

जबकि पहाड़ों की चढ़ाइयों पर वाहन पहले और दूसरे गेयर में औसतन 20 किमी की गति से चलते हैं। वाहन पहाड़ों पर कितनी चढ़ाई चढ़ते हैं इसका अंदाजा इस बात से लग जाता है कि चारधाम यात्रा समुद्रतल से 300 मीटर की ऊंचाई पर स्थिति ऋषिकेश से शुरू होकर समुद्र तल से 3042 मीटर की उंचाई पर स्थित गंगोत्री और 3133 मीटर की उंचाई पर स्थित बद्रीनाथ पहुंचते हैं। वाहनों की अत्यधिक भीड़ का सीधा असर गंगोत्री और सतोपन्थ ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। इस तरह हिमालय पर वाहनों की भीड़ से लोकल और ग्लोबल वार्मिंग का तेज होना स्वाभाविक ही है।

वाहनों से उत्सर्जित वायु प्रदूषण गैसों और कणों का मिश्रण होता है। साइंस जनरल के फरवरी अंक में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, गैसों में नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स), कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और ओजोन शामिल हैं। पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में कार्बनिक और मौलिक कार्बन, सीसा जैसे धातु और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन शामिल होते हैं। डीजर्ल इंधन से चलने वाले वाहन सर्वाधिक ब्लैक कार्बन उत्सर्जित करते हैं। ब्लैक कार्बन एक प्रकार का कण पदार्थ (पीएम) है जो जीवाश्म ईंधन, बायोमास और अन्य कार्बनिक पदार्थों के अधूरे दहन से उत्पन्न होता है। यह सूर्य के प्रकाश को अवशोषित कर और वातावरण को गर्म करता है और जलवायु को भी प्रभावित करता है। साथ ही यह बर्फ की सतह पर जमा होने पर बर्फ के पिघलने की गति भी बढ़ाता है। वाहनों से सबसे अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होती है जो कि जीवाश्म ईंधन के दहन से उत्पन्न एक ग्रीनहाउस गैस है। यह जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाली प्राथमिक गैस है।

कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन ग्रीनहाउस गैसें हैं जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करती हैं। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन गैस एरोसोल के निर्माण और व्यवहार को प्रभावित करती है जिसके गर्म और ठंडे दोनों चरम प्रभाव हो सकते हैं। इसी तरह मीथेन वायुमंडल में रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से एरोसोल के निर्माण को जन्म देती है। एरोसोल बादल निर्माण और गुणों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे पृथ्वी का विकिरण संतुलन प्रभावित होता है और चरम मौसम की स्थिति पैदा हो जाती है जिससे दैवी आपदाओं का खतरा बना रहता है। इसलिए एरोसोल सांद्रता में परिवर्तन जलवायु प्रतिक्रिया तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैसों की भूमिका और जटिल हो जाती है।

अब कल्पना की जा सकती है कि वाहनों का रेला किस तरह हिमालय को नुकसान पहुंचा रहा है। यद्यपि अब वाहनों के सख्त नियमन से पार्टिकुलेट मैटर और नाइट्रोजन ऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है, लेकिन वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण सुधार अधूरे साबित हो रहे हैं।

बम की अफवाह झूठी निकलने पर आरोपी पर सख्त कार्रवाई समय की मांग

अक्सर विमान, स्कूल, कॉलेज, शॉपिंग मॉल, मंदिर जैसी संस्थाओं पर बम रखने की धमकी आती है। इन धमकियों के कारण सैकड़ों लोग प्रभावित होते हैं। एयरपोर्ट से लेकर स्कूल, कॉलेज और मंदिरों में दहशत फैल जाती है। पूरा सरकारी अमला इसकी तस्दीक में जुट जाता है और अंत में पता चलता है कि कुछ लोगों ने केवल मजे के लिए यह धमकी थी। कई बार तो किसी बच्चे ने यह संदेश भेजा था। इन सभी का माध्यम सोशल मीडिया ही होता है।

एक धमकी सैकड़ों नुकसान

अगर किसी फ्लाइट को उड़ाने की धमकी मिलती है तो उसकी जांच की प्रक्रिया में काफी रुपये का नुकसान होता है। फ्लाइट खाली कराई जाती है। गहन चेकिंग होती है तो यात्रियों को दिक्कत होना भी लाजिमी है। ऐसे में एयरलाइन्स यात्रियों की सुविधा के लिए तमाम व्यवस्थाएं करती है। उड़ान ज्यादा लेट होने पर रिफंड भी करना पड़ता है। यात्रियों को बाहर रुकना पड़ता है। दूसरी उड़ानें भी प्रभावित होती हैं।

विकृत मानसिकता के लोगों का काम

विकृत मानसिकता के कुछ लोग भी इस काम में लगे रहते हैं। अपनी विकृति की संतुष्टि के कारण वे इस तरह के काम को अंजाम देते हैं। इस दिशा में कार्रवाई हुई तो कुछ ऐसे लोग पकड़े गए हैं, जो यह नहीं जानते थे कि वे क्या कर रहे हैं। कहीं कोई नाबालिग पकड़ा गया तो कहीं कोई नाराज प्रेमी। इससे यह बात भी सिद्ध होती है कि आजकल बच्चों और युवाओं में धैर्य नाम की कोई चीज नहीं बची है। वे आगे-पीछे कुछ भी सोचे बिना इस तरह के काम करते हैं। कई बार तो उन्हें इसका भी भान नहीं होता कि उनका किसी ने इस्तेमाल कर लिया। अनजाने में वे इस तरह का काम कर बैठते हैं।

सरकार का कर्तव्य

ऐसे में सरकार का यह कर्तव्य है कि लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे लोगों को पकड़कर उन्हें ऐसी सजा दे कि वह दूसरों के लिए सबक बन सके। हाल के दिनों में एयरलाइन कंपनियों को लगातार धमकियां मिलने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश जारी किए हैं और सभी कर्मचारियों से इसका पालन करने को कहा है।

वहीं सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के तहत सख्ती के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर गलत सूचना को तुरंत रोकने के लिए कहा गया है। वैसे यह देखना भी महत्वपूर्ण है कि क्या इस तरह की घटना किसी संगठन की धमकी है या किसी की शरारत। कहीं ऐसा तो नहीं कि यह भारतीय विमानन कंपनियों को घाटे में पहुंचाने की साजिश हो। इस दिशा में भी गहनता से जांच होनी चाहिए।

पर्यावरण संकट और पहाड़ः आखिर कितना खतरनाक है हिमालय पर लाखों वाहनों का चढ़ना?

हिमालय के चार धामों में से केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री समेत तीन धामों की इस साल की यात्रा का समापन हो गया और अब शेष बदरीनाथ के कपाट आगामी 17 नवंबर को बंद होने हैं। तीन धामों के यात्रावसान तक देशभर के 46,34,448 श्रद्धालु यात्रा कर लौट चुके थे। बहुत ही संवेदनशील हिमालय के पर्यावरण पर यात्रियों की इस बाढ़ का असर तो पड़ ही रहा है, लेकिन उससे अधिक गंभीर विषय हिमालय पर और खास कर गंगा के श्रोत गंगोत्री और सतोपन्थ जैसे तेजी से पीछे खिसक रहे ग्लेशियरों पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ का है।

यह भीड़ सीधे वैश्विक और स्थानीय तापमान को बढ़ा रही है जिसका दुष्परिणाम जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम के कारण उत्पन्न दैवी आपदाओं के रूप में रूप में सामने नजर आ रहे हैं। चूंकि हिमालय ऐशिया का जलस्तंभ होने के साथ ही मौसम का नियंत्रक भी है और यह ऐशिया के पांच देशों से जुड़ा हुआ है। इसलिये हिमालय की चिन्ता केवल उत्तराखण्ड तक ही सीमित नहीं है। इसलिये हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में यात्री वाहनों की संख्या बढ़ाने के बजाय उस पर सख्त नियमन की आवश्यकता है।

पांच लाख से अधिक वाहन चढ़ गये हिमालय पर

उत्तराखण्ड हिमालय की तीन धामों की सालाना यात्रा समाप्ति के दिन तक चारों धामों में से दो तक सीधे और दो धामों के बहुत निकट तक 5,21,915 वाहन यात्रियों को लेकर पहुंच चुके थे। इनमें से भी सीधे बदरीनाथ और गंगोत्री पहुंचने वाले वाहनों से उत्सर्जित प्रदूषकों का सीधा असर सतोपन्थ और गंगोत्री ग्लेशियर समूहों पर पड़ना स्वाभाविक ही है। केदारनाथ पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या तो हर साल कीर्तिमान बना ही रही थी, लेकिन इस बार केदार घाटी पहुंचने वाले यात्री वाहनों ने भी रिकार्ड तोड़ दिया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले वाहनों की संख्या 1,87,590 तक पहुंच गयी जबकि पिछले यह संख्या केवल 88,236 थी। इसरो की रिपोर्ट के अनुसार, यह घाटी भूस्खलन की दृष्टि से देश में सर्वाधिक संवेदनशील है और मुख्य केंद्रीय भ्रंश के निकट होने के कारण यह भूकम्प के मुहाने पर भी बैठी है। इसलिये इस क्षेत्र में क्षमता से अधिक मानव दबाव को बहुत जोखिमपूर्ण माना गया है।

हिमालय पर दबाव का दिखने लगा है असर

सन् 1968 में जब पहली बार बद्रीनाथ बस पहुंची थी तो वहां तब तक लगभग 60 हजार यात्री पहुंचते थे। लेकिन यह संख्या अब 13 लाख सालाना पार कर गयी है। इन यात्रियों के साथ मात्र 6 माह में लगभग 1.50 लाख वाहन बद्रीनाथ पहुंच रहे हैं। गंगोत्री में इस बार 8,15,273 यात्री और 88,236 वाहन 3 नवम्बर तक पहुंच चुके थे। पहले ज्यादातर यात्री बसों में सफर करते थे और औसतन एक बस 30 यात्रियों को ढो लेती थी। लेकिन अब अधिकतम 5 लोग लोग कारें लेकर यात्रा कर रहे हैं जिस कारण वाहनों का भारी दबाव हिमालय पर बढ़ता जा रहा है। जिसका विपरीत असर हिमालय के पारितंत्र पर पड़ने के साथ ही अतिवृष्टि, बादल फटने, त्वरित बाढ़ और आसमानी बिजली गिरने जैसी आपदाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही उनकी आवृति भी बढ़ रही है।

पहाड़ों पर चार गुना अधिक प्रदूषण करते हैं वाहन

विशेषज्ञों की माने तो मैदानी क्षेत्र की तुलना में पहाड़ों पर वाहनों का प्रदूषण चार गुना अधिक होता है। मैदानों में सामान्यतः वाहन तीसरे और चौथे गेयर में औसतन 60 किमी की गति से चलते हैं। जबकि पहाड़ों की चढ़ाइयों पर वाहन पहले और दूसरे गेयर में औसतन 20 किमी की गति से चलते हैं। वाहन पहाड़ों पर कितनी चढ़ाई चढ़ते हैं इसका अंदाजा इस बात से लग जाता है कि चारधाम यात्रा समुद्रतल से 300 मीटर की ऊंचाई पर स्थिति ऋषिकेश से शुरू होकर समुद्र तल से 3042 मीटर की उंचाई पर स्थित गंगोत्री और 3133 मीटर की उंचाई पर स्थित बद्रीनाथ पहुंचते हैं। वाहनों की अत्यधिक भीड़ का सीधा असर गंगोत्री और सतोपन्थ ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। इस तरह हिमालय पर वाहनों की भीड़ से लोकल और ग्लोबल वार्मिंग का तेज होना स्वाभाविक ही है।

कई हानिकारक गैसें उत्सर्जित करते हैं वाहन

वाहनों से उत्सर्जित वायु प्रदूषण गैसों और कणों का मिश्रण होता है। साइंस जनरल के फरवरी अंक में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, गैसों में नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स), कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और ओजोन शामिल हैं। पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में कार्बनिक और मौलिक कार्बन, सीसा जैसे धातु और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन शामिल होते हैं। डीजर्ल इंधन से चलने वाले वाहन सर्वाधिक ब्लैक कार्बन उत्सर्जित करते हैं। ब्लैक कार्बन एक प्रकार का कण पदार्थ (पीएम) है जो जीवाश्म ईंधन, बायोमास और अन्य कार्बनिक पदार्थों के अधूरे दहन से उत्पन्न होता है। यह सूर्य के प्रकाश को अवशोषित कर और वातावरण को गर्म करता है और जलवायु को भी प्रभावित करता है। साथ ही यह बर्फ की सतह पर जमा होने पर बर्फ के पिघलने की गति भी बढ़ाता है। वाहनों से सबसे अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होती है जो कि जीवाश्म ईंधन के दहन से उत्पन्न एक ग्रीनहाउस गैस है। यह जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाली प्राथमिक गैस है।

जलवायु परिवर्तन बढ़ाने में भी योगदान है वाहनों का

कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन ग्रीनहाउस गैसें हैं जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करती हैं। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन गैस एरोसोल के निर्माण और व्यवहार को प्रभावित करती है जिसके गर्म और ठंडे दोनों चरम प्रभाव हो सकते हैं। इसी तरह मीथेन वायुमंडल में रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से एरोसोल के निर्माण को जन्म देती है। एरोसोल बादल निर्माण और गुणों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे पृथ्वी का विकिरण संतुलन प्रभावित होता है और चरम मौसम की स्थिति पैदा हो जाती है जिससे दैवी आपदाओं का खतरा बना रहता है। इसलिए एरोसोल सांद्रता में परिवर्तन जलवायु प्रतिक्रिया तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैसों की भूमिका और जटिल हो जाती है। अब कल्पना की जा सकती है कि वाहनों का रेला किस तरह हिमालय को नुकसान पहुंचा रहा है। यद्यपि अब वाहनों के सख्त नियमन से पार्टिकुलेट मैटर और नाइट्रोजन ऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है, लेकिन वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण सुधार अधूरे साबित हो रहे हैं।

साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों की गतिविधियों को बढ़ावा देने वनमाली सृजन केंद्र का उद्घाटन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, आईसेक्ट प्रधानमंत्री कौशल केंद्र लालघाटी शाजापुर पर वनमाली सृजन केंद्र का उद्घाटन डॉ जगदीश भावसार, बीकेएसएन कॉलेज प्राचार्य डॉ बीएस विभूति, कवियित्री संतोष शर्मा, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी, कवि जितेंद्र देवातवाल के द्वारा फीता काटकर किया गया। वनमाली सृजन पीठ द्वारा सुदूर ग्राम्यांचल एवं कस्बों के कला, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों की गतिविधियों को बढ़ावा देने में निरंतर सक्रिय वनमाली सृजन केन्द्रों की स्थापना जिले में की गई है, जिसमें स्थानीय प्रतिभाओं को उभारने और राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें प्रस्तुत करने की कोशिश की जाएगी। वनमाली सृजन पीठ वनमाली की लेखन यात्रा से प्रेरित है जो साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है। ग्रामीण रचनाकारों को शहरी रचनाकारों के समान ही अवसर मिलना चाहिए, इस मूल अवधारणा पर आधारित यह उपक्रम सभाएं, चर्चाएं और अन्य साहित्यिक प्रवचन आयोजित करता है। वनमाली सृजन केंद्र शाजापुर इकाई संयोजक भरत चतुर्वेदी ने बताया कि अतिथियों के द्वारा केंद्र पर रखी पुस्तकों का अवलोकन किया गया। साथ ही अतिथियों के द्वारा साहित्य संस्कृति कला एवं लोक गीत लोक कलाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया और वनमाली कथा पुस्तक का विमोचन अतिथियों के द्वारा किया गया। आभार केंद्र की खुशबू भावसार ने माना।

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत विशेष सर्वेक्षण अभियान से चिन्हित किए जाएंगे असाक्षर

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित सामाजिक चेतना केंद्रों में पंजीकृत असाक्षरों को नियुक्त अक्षर साथियों के द्वारा अध्यापन करवाया जाएगा जिसको लेकर तैयारियां की जा रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार 15 से अधिक आयुवर्ग के असाक्षरों को नवसाक्षर करने हेतु प्रदेश के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत 2027 तक प्रदेश को पूर्ण साक्षर किए जाने का लक्ष्य है। इस हेतु ग्राम, वार्ड स्तर के प्रत्येक घर के असाक्षरों का सर्वेक्षण विद्यालयों, महाविद्यालयों, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड के छात्र-छात्राएं एवं बीएड डीएड के प्रशिक्षणार्थी शिक्षक अक्षरसाथियों के माध्यम से प्रोजेक्ट कार्य के रूप में करवाया जाना है। सर्वे कार्य ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड में होगा। कार्यक्रम के व्यवस्थित एवं पारदर्शी संचालन हेतु बनाए गए मोबाइल एप्प के द्वारा प्रत्येक असाक्षर की जानकारी अनिवार्यतः रजिस्टर्ड की जाएगी। नियत सर्वेक्षण समयावधि में जिले में उक्त आयोजन के कुशल क्रियान्वयन के लिए जिला परियोजना समन्वयक, विकासखंड स्तर पर विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। समन्वय स्थापित कर विकासखंड साक्षरता समन्वयक अपने क्षेत्राधिकार में सभी असाक्षरों का शत प्रतिशत सर्वेक्षण कार्य पूर्ण करवाकर एप्प पर उक्त सर्वे प्रविष्टि की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करेंगे। शाजापुर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक योगेश भावसार ने बताया कि 23 नवंबर से 1 दिसंबर तक डोर टू डोर असाक्षर सर्वे की मॉनिटरिंग के लिए विकासखंड साक्षरता समन्वयक, विकासखंड अकादमिक समन्वयक, संकुल साक्षरता समन्वयक, जनशिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सर्वे के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि कोई असाक्षर साथी सर्वे कार्य से नहीं छुटे। सर्वे उपरांत असाक्षरों को शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित सामाजिक चेतना केंद्रों में पंजीकृत कर नियुक्त अक्षर साथियों के द्वारा अध्यापन करवाया जाएगा, जिसकी मॉनिटरिंग नोडल अधिकारी एवं संकुल साक्षरता समन्वयक जनशिक्षकों द्वारा की जाएगी।

पेंटर वेलफेयर एसोसिएशन समिति का दीपावली मिलन समारोह व कवि सम्मेलन आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, पेंटर वेलफेयर एसोसिएशन समिति द्वारा दीपावली मिलन समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। शनिवार शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक बस स्टैंड के समीप निजी होटल में एसोसिएशन अध्यक्ष राजू पठान के नेतृत्व में चले समारोह व कवि सम्मेलन में 120 से अधिक पेंटर शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिटायर्ड थाना प्रभारी अवधेश कुमार शेषा थे। वहीं धार जिले से आई कवित्री अनिता आनंद तथा अन्य कवियों के द्वारा शानदार कविताओं की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के बीच में मिलन समारोह में आए सभी अतिथियों एवं पेंटरों को गिफ्ट भी बांटे गए। कार्यक्रम शुरू होने के बाद मंच पर मौजूद पेंटर वेलफेयर एसोसिएशन समिति के संरक्षक हनीफ मंसूरी, शिवम नायक का अध्यक्ष राजू पठान ने साफा एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया। इसके बाद अनुराग सिसोदिया अन्नु का समिति सदस्य अनूप कछावा, राहुल गोठी का मीडिया प्रभारी आमीन पठान ने साफा तथा पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया। साथ ही रविंद्र पाटीदार, निखिल जैन, पिंटू बाबा, रईस शेख, शाहरुख पेंटर आदि का सम्मान हुआ।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन आगामी 14 दिसम्बर को

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश ललित किशोर के मार्गदर्शन में आगामी 14 दिसम्बर 2024 शनिवार को जिला शाजापुर में वर्ष 2024 की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उक्त आयोजित लोक अदालत में आपराधिक शमनीय प्रकरण, व्यवहार वाद के प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा के प्रकरण, धारा 138 निई एक्ट के प्रकरण, पारिवारिक विवाद के प्रकरण, श्रम विवाद के प्रकरण एवं अन्य राजीनामा योग्य प्रकरण के साथ-साथ राशि वसूली से संबंधित विवाद पूर्व प्रकरण प्री लिटिगेशन का निराकरण किया जाएगा।

मेपल्स एकेडमी में किया गया राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन

खेलो इंडिया के अंतर्गत साप्ताहिक ऊर्जा उत्सव-4 का हुआ शुभारंभ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, मेपल्स एकेडमी में आगामी 20 नवंबर तक चलने वाले साप्ताहिक ऊर्जा उत्सव -4 का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्देश्य सबको स्वस्थ एवं ऊर्जावान रखने के लिए प्रेरित करना है। ऊर्जा उत्सव में विभिन्न प्रकार की खेल स्पर्धा रखी गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मशहूर शायर डा. नवाज देवबंदी, रविंद्र (इंटरनेशनल बैडमिंटन प्लेयर), के. जी राजकुमार (इंटरनेशनल बैडमिंटन प्लेयर), जितेंद्र (इंटरनेशनल बैडमिंटन प्लेयर), अपना घर आश्रम शुक्रताल के संस्थापक विनोद कुमार गोयल, ज्योतिषाचार्य मुकेश मित्तल, पंकज कुमार मलिक (एम.एल.ए. मुजफ्फरनगर) प्रधानाचार्या डॉ. चित्रा जोशी व प्रबंधन समिति द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सभी सम्मानित विशिष्ट अतिथियों का तिलक लगाकर गर्म जोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय परिसर में स्थित बैडमिंटन कोर्ट का विशेष अतिथियों द्वारा फीता काटकर उद्घाटन कर बैडमिंटन खेल का आनंद लिया। यह विद्यार्थियों को आधुनिक खेल व शारीरिक गतिविधियों की सुविधा प्रदान करता है। चारों हाउस के कैप्टंस द्वारा मशाल हाथ में लेकर सुव्यवस्थित मार्च पास्ट किया गया तथा मुख्य अतिथियों के द्वारा हवा में जीवंत गुब्बारे छोड़कर खेल सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की इसी श्रृंखला में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत स्वागत गान प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक के द्वारा खेलों के महत्व को समझाया गया। इसी बीच योगाभ्यास, जिमनास्टिक, कराटे व स्केटिंग आदि कौशल विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित किए गए। जिसमें सभी को स्वस्थ रहने का संदेश दिया गया। सप्ताह भर चलने वाले इस ऊर्जा उत्सव में कक्षा 1 से लेकर कक्षा 12 तक के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे और अपनी-अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विद्यार्थियों के लिए ट्रैक से लेकर फील्ड तक ऊर्जावान खेलों की एक विस्तृत श्रृंखला तैयार की गई है। जिसमें 50 मीटर, 100 मी, लंबी कूद, ऊंची कूद, थ्रो बॉल, कंगारू रेस, लेमन रेस एवं बकेट रेस आदि मुख्य हैं। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉक्टर चित्रा जोशी ने मुख्य अतिथियों एवं सम्मानित अतिथियों को अपने व्यस्त कार्यक्रम में से समय निकालने और इस इवेंट में उपस्थित होने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ही विद्यालय की जिम्मेदारी है और इसके लिए विद्यालय समय-समय पर शिक्षा के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे मन और शरीर दोनों को अनुशासित करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्कर्ष वत्स, अंकुर राठी, विश्वास त्यागी, प्रवीन चौधरी, नीलम सिंघल, अंजलि त्यागी, विकास शर्मा, सिम्मी मखीजा, लवी त्यागी, प्रवेश त्यागी, शुभम शर्मा, संदीप त्यागी आदि सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

के एल जनता इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य राजकुमार के पुत्र सौरव राज ने सबसे लंबी कविता स्त्री लिखने पर अंतर्राष्ट्रीय बुक ऑफ़ रिकार्ड्स अवार्ड प्राप्त कर अपने परिवार व कॉलेज का नाम रोशन किया है

कॉलेज प्रबंधक दीपक राज सिंघल और कालेज स्टॉफ ने सौरभ को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

देवबंद । सहारनपुर, सहारनपुर के एल जनता इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य राजकुमार के पुत्र सौरव राज ने सबसे छोटी उम्र में सबसे लंबी कविता स्त्री लिखने पर अंतरराष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त किया है। जिस पर कॉलेज के प्रबंधक दीपक राज सिंघल ने उन्हें बधाई देते हुए मिठाई खिलाते हुए कहा की 22 साल की छोटी सी उम्र में विश्व की सबसे लंबी कविता लिखना और वह भी स्त्री पर एक अद्भुत उपलब्धि है। जिसके लिए सौरव राज बधाई के पात्र है। सिंघल ने कहा कि सौरव राज ने अंतर्राष्ट्रीय बुक ऑफ़ रिकार्ड्स अवार्ड प्राप्त कर अपने परिवार का एवं कॉलेज दोनों का नाम रोशन किया है। बधाई देने वालों में प्रबंध समिति के अध्यक्ष सेठ कुलदीप कुमार, पूर्व प्रधानाचार्य राजेंद्र शर्मा, संजय धीमान, बलदेव राज शर्मा, अनुज त्यागी, ईश्वर सिंह, भारत गोयल, आदेश कुमार, संदीप कुमार, नरवदा त्यागी, स्वाति सिंघल, उपासना, पूजा, रोहित सहित समस्त स्टाफ शामिल है।

वृक्ष हमारे जीवन मित्र हैं,ये देवों के रूप 7 देते हैं सुख संपदा,सहकर वर्षा धूप

पोधो की सुरक्षा हेतु पर्यावरण मित्रों ने किया 5 घंटे श्रमदान

पर्यावरण संरक्षण जीवन के लिए

अतिआवश्यक है ,वृक्ष ,जल जंगल धरती के श्रंगार है -- चन्द्रसिंह धार्वे डिप्टी कलेक्टर

नीमच/ बढ़ते तापमान एवं प्रदुषित वातावरण को शुद्ध करने एवं प्राणी जगत को स्वस्थ जीवन के लिए शुद्ध वायु आक्सीजन प्रदान करने वाले वृक्ष हमारे जीवन मित्र हैं, वृक्ष,जल,जंगल धरती मां का श्रंगार है इसे संवारना हम सभी का दायित्व है यह बात जिला शहरी विकास परियोजना अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धार्वे ने संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच के सदस्यों के साथ हवाई अड्डा झांझरवाडा मार्ग स्थित विश्व संकल्प पर्यावरण वाटिका में रोपित 1251 पोधो की सुरक्षा एवं पौधों को पानी पिलाने के दौरान कही, इस अवसर पर संस्था संरक्षक इंजिंनियर नवीन कुमार अग्रवाल ने बताया कि संस्था द्वारा 24 जुलाई 2024 को तत्कालीन जिला कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मुख्य अतिथि में उनके विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन में विश्व संकल्प पर्यावरण वाटिका परिसर गोशाला के समीप संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था द्वारा 51 प्रजातियों के फलदार छायादार फुलदार ओषधि युक्त 1251 पोंधे रोपित किए गए थे, वर्षाकाल में परिसर में घास, गाजर घास, कंटीली झाड़ियां अधिक हो गई है, पोधो की सुरक्षा हेतु संस्था सदस्य निरन्तर अभियान चला कर नि स्वार्थ भावना से श्रमदान कार्य में जुटे हुए हैं,रोपित पोंधे शत प्रतिशत जीवित हैं, पोधो को सिंचित करने के लिए नियमित पानी हेतु ड्रिप सिंचाई बिछाई गई है, इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने बताया कि संस्था सदस्यों द्वारा रविवार दिनांक 17 नवंबर 2024 को प्रातः 7 से 12 बजे तक संस्था सदस्यों ने 5 घंटे श्रमदान कर 300 से अधिक पोधो के आसपास साफ-सफाई कर निदांई गुड़ाई की गई, रोपित पोधो की सुरक्षा हेतु संस्था सदस्य गण नियमित रूप से सेवारत हैं रविवार को श्रमदान अभियान में जिला शहरी विकास परियोजना अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धार्वे, संस्था संरक्षक नवीन कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष किशोर बागड़ी, सचिव दुलीचंद कनेरिया,कोषाध्यक्ष रमेश मोरे, उपाध्यक्ष राजकुमार सिन्हा, निर्मल देव नरेला, हरीश उपाध्याय,सोनु नागर, मुकेश गुर्जर,आकाश नागर, युवराज सिंह, हिम्मत सिंह पंवार, मुकेश मेघवाल, दीपक आदि ने श्रमदान कर सहभागिता निभाई उक्त जानकारी संस्था सचिव दुलीचंद कनेरिया ने दी है, दुलीचंद कनेरिया सचिव संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच

भारतीय किसान संघ ने सांसद आलोक शर्मा से जीएम बीजों पर प्रतिबंध की मांग की

भोपाल/बैरसिया / भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने संभाग मंत्री वेद प्रकाश दांगी एवं जिला अध्यक्ष गिरवर सिंह राजपूत के नेतृत्व में सांसद आलोक शर्मा से मुलाकात कर कपास और सरसों के बीटी बीजों से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया। प्रतिनिधिमंडल में जिला सह मंत्री राजेंद्र सिंह ठाकुर भोपाल नगर अध्यक्ष अश्वनी मेहर , जिला प्रचार प्रसार प्रमुख विनय सिंह पटेल, लोकेश मीणा ,तहसील अध्यक्ष अखिलेश मीणा, गजेंद्र सिंह, पुष्पेंद्र ,आकाश राजपूत कार्यकारिणी के सदस्य शामिल थे। किसान संघ के सदस्यों ने बताया कि 2002 से विदेशी कंपनियों ने बीटी बीजों को बैक डोर से भारत में प्रवेश दिलाया है। इन बीजों में जीवों के जीन डाले गए हैं, जिससे देश में मांसाहारी तेल का सेवन बढ़ा है, जबकि मांसाहारी तेल पर प्रतिबंध है। उन्होंने यह भी कहा कि जीएम बीजों का भारत में पर्यावरण पर प्रभाव का कोई परीक्षण नहीं किया गया है, जिससे देशी बीज विलुप्त हो रहे हैं और किसान विदेशी कंपनियों पर निर्भर होते जा रहे हैं। किसान संघ ने बताया कि बीटी बीजों का परीक्षण असफल रहा है, फिर भी विदेशी कंपनियां नए प्रयोग कर रही हैं। इस मुद्दे पर किसान संगठनों ने न्यायालय की शरण ली, जिसके बाद उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने केंद्र सरकार को चार महीने में नीति बनाने का निर्देश दिया था। तीन महीने बीतने के बावजूद केंद्र सरकार ने इस पर कोई कदम नहीं उठाया है। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद आलोक शर्मा सांसद से आग्रह किया कि वे आगामी लोकसभा सत्र में इस मुद्दे को उठाएं। किसान संघ की यह चर्चा मे सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि किसान संघ मैं इस मुद्दे को ठीक उठाया मैं अभी सत्र में क्वेश्चन लगवाऊंगा आपको पूर्ण विश्वास दिलाता हूं 25 नवंबर से सत्र शुरू होगा मैं इस मुद्दे को विशेष रूप से संसद में उठाऊंगा।

भाजपा कार्यकर्ता ने सोशल मीडिया पर स्थानीय नेताओं की खींचतान को लेकर आप बीती सुनाई

भाजपा कार्यकर्ता का आरोप बुथ चुनावों में बे खबर है

उन्हेल भाजपा कार्यकर्ताओं ग्रामीणों क्षेत्रों में जगह-जगह बुथ चुनाव की बैठक हो रही है जहां स्थानीय राजनीति के चलते पुराने कार्यकर्ता को बे खबर होकर बुथ चुनाव बैठक की जा रही है ऐसा ही एक मामला भाजपा के पुराने कार्यकर्ता गोकुल सिंह ग्राम रामा बालोदा ने सोशल मीडिया पर स्थानीय नेताओं को अपनी आपबीती सुनाते कि 1999 से वह भाजपा कार्यकर्ता के रूप में पार्टी में अपना दायित्व निभाकर काम कर रहे हैं शनिवार को वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता में बिना सूचना देते हुए स्थानीय समिति के चुनाव की बैठक हुई लेकिन पुराने कार्यकर्ताओं को इससे बेखबर रखकर स्थानीय राजनीति से यह काम किया जा रहा है जहां कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त हो रहा है यही बात सोशल मीडिया पर लिखकर मंडल अध्यक्ष को आपबीती सुनाई

सुर क्षेत्र आर्केस्ट्रा, बुरहानपुर म्यूजिक क्लब एवं गीत गाता चल के संयुक्त तत्वाधान में बिरसा मुंडा एवं गुरु नानक जयंती पर 100 कलाकारों ने ऑडिशन में भाग लिया

40 कलाकारों का सेमीफाइनल में चयन, जल्द होगा बड़ा आयोजन, जिसमें मुंबई से होंगे कलाकार शामिल।

बुरहानपुर। बीते 16 नवंबर को बिरसा मुंडा जी एवं गुरु नानक जी की जयंती के उपलक्ष में भव्य आयोजन सुर क्षेत्र आर्केस्ट्रा, बुरहानपुर म्यूजिक क्लब एवं गीत गाता चल संस्था के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ। सर्व प्रथम मां सरस्वती एवं गुरु नानक जी ओर बिरसा मुंडा जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। सुर क्षेत्र आर्केस्ट्रा के अध्यक्ष पंकज उमाले ने बताया कि 100 से अधिक कलाकारों ने ऑडिशन में भाग लिया था। इसमें निर्णायक नामदेव भोईटे, दिलीप कुमार मोरे, पंकज उमाले, अमोल बोदडे, जितेंद्र लोंढे, प्रमोद वानखेड़े ने निर्णय लेते हुए 40 कलाकारों का सेमीफाइनल में चयन किया है, उन्होंने कहा कि जल्द ही तीनों संस्थानों के संयुक्त तत्वाधान में सेमीफाइनल एवं फाइनल का बड़ा आयोजन होगा, जिसमें मुंबई से भी निर्णायक और कलाकार शामिल होंगे। वही बुरहानपुर म्यूजिक क्लब के अध्यक्ष उमेश जंगाले ने बिरसा मुंडा जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई गई। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा को आदिवासियों के महानायक के रूप में याद किया जाता है, एक ऐसा महानायक जिसने अपने क्रांति से आदिवासियों को उनके अधिकार और उनमें सुधार लाने लिए संघर्ष किया। वहीं गीत गाता चल के अध्यक्ष पराग शुक्ला ने गुरु नानक देव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु नानक जी ने आजीवन इस बात पर जोर दिया कि, कोई भी किसी के साथ भेदभाव न करे। सब लोगों के बीच समानता हो। जाति, धर्म, और वर्ग के आधार पर समाज न बंटे। उन्होंने कहा कि सभी मनुष्य समान हैं और ईश्वर की दृष्टि में सभी को एक समान प्रेम और सम्मान मिलना चाहिए। इस अवसर पर सेमीफाइनल में चयनित कलाकारों का पुष्प माला से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर लारेब एजाज़ ने किया।

रतनगढ़ में प्रथम बार निकला मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी का एतिहासिक पथ संचलन

नगर वासीयो ने कई स्थानो पर किया पथ संचलन का पुष्पवर्षा से भव्य स्वागत

रतनगढ *धर्मो रक्षति रक्षित- अर्थात अगर आप धर्म की रक्षा करोगें, तो धर्म भी आपकी रक्षा करेगा।हर नारी के शरीर मे मां दूर्गा व मां काली का वास हैं।जिससे हम आसूरी शक्तियों से अपनी रक्षा कर सकती है।आज हमे एकजूट रहने की सख्त आवश्यकता है।क्योंकि बंटेगे तो कटेंगे,एक रहेंगे तो ही सेफ रहेंगे।उक्त बात रविवार को रतनगढ मे दिए गए अपने बोद्धिक उद्बोधन के दौरान दूर्गा वाहिनी की विभाग संयोजिका टीना दीदी शर्मा एवं मातृशक्ति जिला संयोजिका माया दीदी दवे ने बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति व दूर्गा वाहिनी की बहिनो के बीच कही।साथ ही इन्होंने अपने बौद्धिक के दौरान यह भी बताया कि इस पथ संचलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज में सभी मातृशक्ति महीलाओ व बहिनो को जागरूक कर सशक्त व सबल बनाना है।उनको अपनी शक्ति का एहसास दिलाना है।कि आप किसी भी तरह से कमजोर नहीं है।एवं कभी किसी विधर्मी या उपद्रवी से डर कर आहत नही हो सकती।वर्तमान मे कुछ जिहादी मानसिकता के विधर्मी सोश्यल मिडिया पर अपने धर्म व जातिगत पहचान को छिपाकर हमारी भोली भाली हिंदू बहिन बेटियों को अपना शिकार बना रहे है।हमे इन सबसे बचना होगा।हमे इन विधर्मियों के बहकावे मे आकर लव जिहाद के जाल में ना फंसते हुए स्वयं की,समाज की एवं देश की रक्षा करने का जज्बा पैदा करना होगा।आज सभी उम्र की माता बहिनो को वीडियो बनाना,रील बनाना, वाट्सएप,फेसबुक या इस्टाग्राम चलाना तो आता है।पर लकड़ी घुमाना, तलवार चलाना नही आता।इस कारण से विधर्मियों से अपनी रक्षा नहीं कर पाती।हमे आत्मरक्षा के गुर भी आना चाहिए।बौद्धिक के पश्चात विश्व हिंदू परिषद प्रखंड रतनगढ की महिला इकाई मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी मालवा प्रान्त की मान वंदना यात्रा को प्रखंड रतनगढ़ मे विशाल पथ संचलन नगर के सभी प्रमुख मार्गो से होते हुए निकाला गया।दोपहर 2 बजे घोष की धुन पर डाक बंगला परिसर से निकाले गए पथ संचलन में पूर्ण गणवेश धारी श्वेत वस्त्र धारी व केसरिया दूपट्टा डाले बहिनो सहित पीली साड़ी मे बड़ी संख्या में उपस्थित मातृ शक्ति ने डाक बंगला चौराहा,नीम की सड़क,मोती बावजी, वर्मा मोहल्ला,श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर मार्ग,झंडा चौक,सदर बाजार, गोवर्धन नाथ मंदिर मार्ग,तेली चौक, मिडिल स्कूल, छावनिया चौक, सोलंकी मोहल्ला, जाट रोड़,पिपली चौक,श्रीराम जानकी मंदिर,सब्जी मंडी, बस स्टैंड, नीमच सिंगोली मार्ग,अटल चौराहा होते हुए पुन: डाक बंगला परिसर में पहुंचा।जहां सभी को स्वल्पाहार के पश्चात समापन हुआ।रास्ते मे बोहरा घाटी पर डॉक्टर बिलाल खान एवं अली असगर बोहरा डिकैन वाला मित्र मंडल ने पुष्पवर्षा कर जहां कौमी एकता का संदेश दिया वही।नगर परिषद कार्यालय के बाहर निर्वाचित जन प्रतिनिधियों व सब्जी मंडी परिसर पर पार्षद मनोहर सोनी सहित अन्य कई संस्थानो व स्थानो पर भी पुष्प वर्षा से जोरदार स्वागत किया गया।इसके पूर्व दोपहर 2 बजे जिला एवं प्रखंड के दायित्व वान पदाधिकारीयो के द्वारा मां सरस्वती, भारत माता एवं श्री राम दरबार की तस्वीर पर माल्यार्पण व दिप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई।इसके पश्चात मंचासीन मातृशक्ति जिला संयोजिका माया दीदी दवे, दुर्गा वाहिनी विभाग संयोजिका श्रीमती टीना दीदी शर्मा,दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका पूजा दीदी सोनीगरा का मातृशक्ति रतनगढ़ की तरफ से मंजू दीदी व्यास,सुशीला दीदी बैरागी,पिंकी दीदी मूंदड़ा,माधवी दीदी व्यास, सम्पत दीदी सोनी, सुनिता दीदी ओझा के द्वारा कुमकुम तिलक लगा कर स्वागत किया गया।इस दौरान कार्यक्रम के व्यवस्थापक विहिप के प्रखंड अध्यक्ष कंवरलाल मीणा, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सुरेश साहू, प्रखंड सह संयोजक मुरली बैरागी,भोपाल सिंह राजपूत,सह मंत्री रोशन बंजारा, अमित सिंह राजपूत टिंकू बना आदि पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।पूरे संचलन के दौरान एहतियात के तौर पर पुलिस प्रशासन का अमला भी मुस्तेदी के साथ पूरे समय साथ रहा।*

पूर्व निगम सभापति मलखंब एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

मध्य प्रदेश उज्जैन को लगातार बड़ी-बड़ी सौगाते मिलती चली जा रही है प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा विकास को लेकर मध्य प्रदेश उज्जैन को कई सौगातें दी है, इसके साथ ही बाबा महाकाल की नगरी में मिस इंडिया निकिता पोरवाल बनने पर एक बड़ी सौगात मिली और आज पूर्व नगर निगम अध्यक्ष सोनू गहलोत मलखंब एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर उज्जैन का नाम गौरवान्वित किया है बाबा महाकाल का आशीर्वाद उज्जैन नगर वासियों को लगातार मिलने चला जा रहा है इस बात को लेकरपर्यावरण प्रेमी,कर्मठ व्यक्तित्व, सीधे,सरल श्री सोनू जी गेहलोत जी को राष्ट्रीय मलखंभ एसोसिएशन का अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई...

एसेंट उदयपुर संस्थान की प्रतियोगी परीक्षा का रविवार को चित्तौड़गढ़ सेंट्रल एकेडमी विद्यालय में हुआ आयोजन

शंभूपुरा। उदयपुर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान एसेंट उदयपुर ने रविवार, 17 नवंबर को सेंट्रल अकादमी चित्तौड़गढ़ विद्यालय में शहर के सभी विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया।संस्थान के सिटी कॉर्डिनेटर तरुण मंशानी ने बताया कि इस परीक्षा में शहर के सभी विद्यालयों के कुल 300 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी विद्यार्थी परीक्षा देने के बाद काफी उत्साहित नज़र आये। सभी अभिभावकों ने भी एसेंट के इस प्रयास की सराहना की। इस परीक्षा के माध्यम से सफल होने वाले विद्यार्थियों को स्मार्ट वॉच, ट्राली बैग, वाटर बोतल, स्म्रति चिन्ह ओर सर्टिफिकेट प्रदान किये जायेंगे। इसका उद्देश्य सभी विद्यार्थियों को एक सिटी लेवल पर मंच प्रदान करना एवं हर कक्षा के टॉप 20 विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान करना एवं कक्षा दसवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों को एसेंट कोचिंग संस्थान में आईआईटी और मेडिकल की कोचिंग फीस में छात्रवृत्ति प्रदान करना हैं ।इस परीक्षा को राजस्थान के सभी जिलों में आयोजित किया जा रहा हैं। इस परीक्षा मैं पिछले वर्ष भी पंद्रह हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया था।प्रतिवर्ष चित्तौड़गढ़ के सेकडों विद्यार्थी इस परीक्षा को देते हैं और सभी विद्यार्थी काफी अच्छा प्रदर्शन कर अत्यधिक पुरस्कार प्राप्त करते हैं। इस परीक्षा में एसेंट संस्थान के निदेशक मनोज बिसारती ने सभी विद्यालयों, अध्यापकों, अभिभावको ओर बच्चों का धन्यवाद किया।

जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय मेहर के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों ने मंत्री प्रहलाद पटेल से की मुलाकात..

गांव के विकास कार्यों और मनरेगा 15 वें वित्त के बारे में विस्तार से की चर्चा...

बैरसिया- जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं भोपाल जिला पं सदस्य विनय मेहर के नेतृत्व में जिला पंचायत सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल ने रविवार को मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के आवास पर पहुंचकर मुलाकात की साथ ही पंचायती राज से संबंधित विभिन्न समस्या और विकास कार्यों व 15वें वित्त के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा चर्चा के दौरान मंत्री पटेल ने पंचायती राज से संबंधित समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया, जिस पर जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय मेहर एवं सभी जिला पंचायत सदस्यों ने मंत्री प्रहलाद पटेल का आभार व्यक्त किया।इस दौरान मनोहर सिंह बघेला जिला पं सदस्य शाजापुर , राहुल धाकड़ जिला पं सदस्य मुरैना , मनीराम लोधी जिला पं सदस्य शिवपुरी , मनोज टेंम्भरे जिला पं सदस्य बालाघाट , सुरेश राजपूत जिला पं सदस्य भोपाल , अनस खान जिला पं सदस्य सीहोर , कमलेश उइके जिला पं सदस्य रायसेन , गोलू राय जिला पं सदस्य सागर , मिश्रीलाल मालवीय जिला पं सदस्य भोपाल सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यकारिणी पटवारी संघ के मोहन बने अध्यक्ष

अरशद जागीरदार तराना,पटवारी संघ उज्जैन की सर्वसम्मति से मोहन मालवीय कार्यकारिणी अध्यक्ष बनाए गए। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकारिणी घोषित किया।

पटवारी संघ उज्जैन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के निर्वाचन के लिए 9 नवंबर को उज्जैन के एक होटल में जिला अध्यक्ष के मार्गदर्शन में निर्वाचन प्रक्रिया शुरू की गई। इसमें उपस्थित सभी पटवारियों ने सर्वसम्मति से तराना के पटवारी मोहन मालवीय तराना को उज्जैन कार्यकारिणी अध्यक्ष पटवारी संघ का अध्यक्ष चुना। अध्यक्ष नियुक्त होने पर पटवारी मोहन मालवीय ने कहा कि सभी वरिष्ठ सहित साथी पटवारियों ने मुझ पर जो विश्वास जताया है उस पर वे हमेशा खरा उतरने का ईमानदारी से प्रयास करेंगे। संगठन के हितों को सर्वोपरि रखते हुए सभी सदस्यों के मार्गदर्शन में संगठन को आगे बढ़ाएंगे। इसके बाद नवनियुक्त उज्जैन क कार्यकारिणी अध्यक्ष मोहन मालवीय ने सर्वसम्मति से अपनी कार्यकारिणी घोषित की।

फन फेयर में विज्ञान प्रदर्शनी, चलित माडल रहा आकर्षण का केंद्र

बच्चो ने अभिभावक के साथ उठाया लुफ्त

पिपलौदा । यूनिक कान्वेंट स्कूल परिसर में फन-फेयर (बाल मेले) का आयोजन किया गया। जनप्रतिनिधियों व मीडिया कर्मियों द्वारा फीता काट कर इस मेले का शुभारंभ किया। कक्षा 3 री से 12 वी तक के विद्यार्थियों ने मेले विज्ञान प्रदर्शनी , चालित माडल, गेमिंग स्टाल, क्विज स्टाल, पुलिस सहायता केंद्र, हेल्थ चेकअप प्वाइंट के साथ विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए। बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपने अपने अभिभावकों के साथ मेला घूमने आए और मेले का खूब लुफ्त उठाया व बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया। बच्चों ने पकवानों का लुफ्त उठाया, विज्ञान प्रदर्शनी, चलित माडल को देखा और परखा। जो आकर्षण का केंद्र भी रहा। संचालन अमित मोगरा ने किया।

भाजपा सावा मण्डल की बैठक आयोजित

भाजपा सदस्यता अभियान व सक्रिय सदस्यता अभियान पर चर्चा की

शंभूपुरा। भाजपा सावा मंडल कि भाजपा संगठन पर्व की कार्यशाला भाजपा जिला कार्यालय चित्तौड़गढ़ में भाजपा जिला महामंत्री रघु शर्मा के आतिथ्य व मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण कुमावत की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें भाजपा सदस्यता अभियान व सक्रिय सदस्यता अभियान की विस्तृत चर्चा की एव अधिक से अधिक सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा। संगठन महापर्व अभियान के पहले चरण में बुथ समिति बनाने के लिए शक्ति केंद्र सहयोगी नियुक्त किये। बुथ समिति में बुथ अध्यक्ष व 11 सदस्यों की नियुक्ति सर्वसम्मति से बनानी है। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष भेरूलाल मेनारिया, मगनीराम डांगी, हरि सिंह जाट, मंडल महामंत्री अनिल सुखवाल, रामप्रसाद जाट, मंडल प्रवक्ता भेरूलाल सुथार, सरपंच संघ जिला अध्यक्ष गणेश लाल साहू, जिला परिषद सदस्य बीनू मेघवाल, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष कुसुम जायसवाल, आईटी मंडल संयोजक नारायण लाल माली, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि लाल सिंह डूडी, एससी मोर्चा मंडल महामंत्री हेमराज मेघवाल, शक्ति केंद्र संयोजक देवीलाल सुथार, धर्म सिंह जाट, रूप दास वैष्णव, सोशल मीडिया जिला सह संयोजक रमेश सुथार, बूथ अध्यक्ष जगदीश कुमावत, नारायण लाल डांगी, भारत सिंह, चंद्रप्रकाश कुमावत, राजकुमार गाडरी, रतनलाल मीणा, भारत गुर्जर, अनिल परमार, संजय कुमार जायसवाल, भेरूलाल जाट, दुर्गेश जाट व पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रतनगढ़ में प्रथम बार निकला मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी का एतिहासिक पथ संचलन

नगर वासीयो ने कई स्थानो पर किया पथ संचलन का पुष्पवर्षा से भव्य स्वागत

रतनगढ धर्मो रक्षति रक्षित- अर्थात अगर आप धर्म की रक्षा करोगें, तो धर्म भी आपकी रक्षा करेगा।हर नारी के शरीर मे मां दूर्गा व मां काली का वास हैं।जिससे हम आसूरी शक्तियों से अपनी रक्षा कर सकती है।आज हमे एकजूट रहने की सख्त आवश्यकता है।क्योंकि बंटेगे तो कटेंगे,एक रहेंगे तो ही सेफ रहेंगे।उक्त बात रविवार को रतनगढ मे दिए गए अपने बोद्धिक उद्बोधन के दौरान दूर्गा वाहिनी की विभाग संयोजिका टीना दीदी शर्मा एवं मातृशक्ति जिला संयोजिका माया दीदी दवे ने बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति व दूर्गा वाहिनी की बहिनो के बीच कही।साथ ही इन्होंने अपने बौद्धिक के दौरान यह भी बताया कि इस पथ संचलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज में सभी मातृशक्ति महीलाओ व बहिनो को जागरूक कर सशक्त व सबल बनाना है।उनको अपनी शक्ति का एहसास दिलाना है।कि आप किसी भी तरह से कमजोर नहीं है।एवं कभी किसी विधर्मी या उपद्रवी से डर कर आहत नही हो सकती।वर्तमान मे कुछ जिहादी मानसिकता के विधर्मी सोश्यल मिडिया पर अपने धर्म व जातिगत पहचान को छिपाकर हमारी भोली भाली हिंदू बहिन बेटियों को अपना शिकार बना रहे है।हमे इन सबसे बचना होगा।हमे इन विधर्मियों के बहकावे मे आकर लव जिहाद के जाल में ना फंसते हुए स्वयं की,समाज की एवं देश की रक्षा करने का जज्बा पैदा करना होगा।आज सभी उम्र की माता बहिनो को वीडियो बनाना,रील बनाना, वाट्सएप,फेसबुक या इस्टाग्राम चलाना तो आता है।पर लकड़ी घुमाना, तलवार चलाना नही आता।इस कारण से विधर्मियों से अपनी रक्षा नहीं कर पाती।हमे आत्मरक्षा के गुर भी आना चाहिए।बौद्धिक के पश्चात विश्व हिंदू परिषद प्रखंड रतनगढ की महिला इकाई मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी मालवा प्रान्त की मान वंदना यात्रा को प्रखंड रतनगढ़ मे विशाल पथ संचलन नगर के सभी प्रमुख मार्गो से होते हुए निकाला गया।दोपहर 2 बजे घोष की धुन पर डाक बंगला परिसर से निकाले गए पथ संचलन में पूर्ण गणवेश धारी श्वेत वस्त्र धारी व केसरिया दूपट्टा डाले बहिनो सहित पीली साड़ी मे बड़ी संख्या में उपस्थित मातृ शक्ति ने डाक बंगला चौराहा,नीम की सड़क,मोती बावजी, वर्मा मोहल्ला,श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर मार्ग,झंडा चौक,सदर बाजार, गोवर्धन नाथ मंदिर मार्ग,तेली चौक, मिडिल स्कूल, छावनिया चौक, सोलंकी मोहल्ला, जाट रोड़,पिपली चौक,श्रीराम जानकी मंदिर,सब्जी मंडी, बस स्टैंड, नीमच सिंगोली मार्ग,अटल चौराहा होते हुए पुनः डाक बंगला परिसर में पहुंचा।जहां सभी को स्वल्पाहार के पश्चात समापन हुआ।रास्ते मे बोहरा घाटी पर डॉक्टर बिलाल खान एवं अली असगर बोहरा डिकैन वाला मित्र मंडल ने पुष्पवर्षा कर जहां कौमी एकता का संदेश दिया वही।नगर परिषद कार्यालय के बाहर निर्वाचित जन प्रतिनिधियों व सब्जी मंडी परिसर पर पार्षद मनोहर सोनी सहित अन्य कई संस्थानो व स्थानो पर भी पुष्प वर्षा से जोरदार स्वागत किया गया।इसके पूर्व दोपहर 2 बजे जिला एवं प्रखंड के दायित्व वान पदाधिकारीयो के द्वारा मां सरस्वती, भारत माता एवं श्री राम दरबार की तस्वीर पर माल्यार्पण व दिप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई।इसके पश्चात मंचासीन मातृशक्ति जिला संयोजिका माया दीदी दवे, दुर्गा वाहिनी विभाग संयोजिका श्रीमती टीना दीदी शर्मा,दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका पूजा दीदी सोनीगरा का मातृशक्ति रतनगढ़ की तरफ से मंजू दीदी व्यास,सुशीला दीदी बैरागी,पिंकी दीदी मूंदड़ा,माधवी दीदी व्यास, सम्पत दीदी सोनी, सुनिता दीदी ओझा के द्वारा कुमकुम तिलक लगा कर स्वागत किया गया।इस दौरान कार्यक्रम के व्यवस्थापक विहिप के प्रखंड अध्यक्ष कंवरलाल मीणा, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सुरेश साहू, प्रखंड सह संयोजक मुरली बैरागी,भोपाल सिंह राजपूत,सह मंत्री रोशन बंजारा, अमित सिंह राजपूत टिंकू बना आदि पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।पूरे संचलन के दौरान एहतियात के तौर पर पुलिस प्रशासन का अमला भी मुस्तेदी के साथ पूरे समय साथ रहा।

लिपिकवर्गीय कर्मचारी लेखा प्रशिक्षण के लिए 20 नवंबर तक करें आवेदन

मंदसौर जिला कोषालय अधिकारी द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश शासन के नियमित लिपिकवर्गीय एवं नगर निगम, नगर परिषदों के लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए विभागीय लेखा प्रशिक्षण सत्र एक दिसम्बर 2024 से 15 फरवरी 2025(दस सप्ताह) तक लेखा प्रशिक्षण शाला उज्जैन में आयोजित किया जा रहा है। जिला कोषालय अधिकारी नेहा कलचुरी ने सभी जिला अधिकारियों को उनके अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ अप्रशिक्षित लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में संबंधित कार्यालय प्रमुख के कवरिंग लेटर के साथ सीधे प्राचार्य, लेखा प्रशिक्षण शाला, उज्जैन, रघुवंशम भवन इस्कॉन मंदिर के पास भरतपुरी, उज्जैन(म.प्र.) को प्रेषित करने के निर्देश दिए है।

प्रशिक्षण के लिए पात्रता- लिपिकवर्गीय कर्मचारी की नियमित सेवा अवधि एक वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य है। सेवा शर्त के अनुक्रम में म.प्र.शासन शीघ्रलेखन तथा मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से हिंदी मुद्रलेखन, परीक्षा , एम.पी.एस.ई.डी.सी.से सी.पी.सी.टी.परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यदि विभागीय भर्ती नियमों में हिंदी मुद्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट प्रदान की गई हो, तो तत्संबंधी कार्यालय प्रमुख का प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश शासन के नियमित लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण शुल्क देय नहीं है, जबकि अर्द्धशासकीय , निगम एवं मण्डल कार्यालयों में पदस्थ नियमित पात्र कर्मचारियों को प्रशिक्षण हेतु नामांकित होने पर राशि रूपये 2000/- प्रशिक्षण शुल्क लेखाशीर्ष 0070-60-800-0000 अन्य प्रापतियॉं में जमा करना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र 20 नवम्बर 2024 को शाम 5 बजे तक प्राप्त हो जाना चाहिए। प्रस्तावित प्रशिक्षण सत्र में क्षमता से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर शासकीय विभाग के लिपीकीय सेवकों को प्राथमिकता दी जाएगी। तत्पश्चात निगम, मण्डल के कर्मचारियों को आवेदन पत्र प्राप्ति की वरियता अनुसार (प्रथम आओं प्रथम पाओं के सिद्धांत पर) आवेदन स्वीकार किये जावेंगे एवं शेष आवेदकों को आमागी सत्र में प्राथमिकता दी जावेगी। लेखा प्रशिक्षण शाला में प्रवेश एवं

अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी (समस्त वर्ग) के शोधार्थी पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए 18 नवंबर तक कर सकेंगे आवेदन

मंदसौर उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2024-25 के लिए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी (सभी वर्ग) के शोधार्थियों को पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इसके अनुसार सत्र 2024-25 के लिए अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग (दिव्यांग श्रेणी के सामान्य/पिछडा वर्ग / अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) के शोधार्थी, पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए 18 नवंबर 2024 तक आवेदन पत्र जमा कर सकेंगे। उक्त शोधार्थियों को अपना आवेदन पत्र, संस्था/शोध केन्द्र से अग्रेषित कराकर कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, तृतीय तल सतपुडा भवन, भोपाल में 18 नवंबर तक जमा करना/भेजना होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र उच्च शिक्षा विभाग की www.highereducation.mp.gov.in पर नवीन निर्देश के अंतर्गत उपलब्ध है, जो अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग (दिव्यांग श्रेणी के सामान्य/पिछडा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) के शोधार्थियों को पीएच.डी. शोध छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने के बावत शीर्षक पर अंकित है।

विद्यार्थी हितार्थ योजनाओं के क्रियान्वयन में मंदसौर जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर

99% प्रोफाइल अपडेशन एवं छात्रवृत्ति की स्वीकृति का कार्य पूर्ण

मंदसौर / जिला शिक्षा अधिकारी श्री लोकेंद्र डाबी ने बताया कि, विद्यार्थियों के हितार्थ अनेक कल्याणकारी योजनाएं स्कूल शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रारंभ की गई है। जिनमें छात्रवृत्ति की स्वीकृति का कार्य महत्वपूर्ण होता है। समय पर विद्यार्थी को छात्रवृत्ति मिल जाने पर छात्रवृत्ति की धनराशि का उपयोग विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के लिए करते हैं। समय पर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिल जाए इसके लिए विद्यालय में नामांकित सभी विद्यार्थियों की प्रोफाइल को यू डाइस के माध्यम से अपडेट करना होता है तथा उसके उपरांत छात्रवृत्ति की स्वीकृति की जाती है। प्रोफाइल अपडेशन तथा छात्रवृत्ति की स्वीकृति के संबंध में मध्य प्रदेश के 52 जिलों की प्रगति रिपोर्ट आयुक्त महोदय लोक शिक्षण मध्य प्रदेश भोपाल के द्वारा जारी की गई है। जिसके अनुसार 99 प्रतिशत विद्यार्थियों का कार्य पूर्ण कर मंदसौर जिला प्रथम स्थान पर रहा है।

सत्र 2024- 25 में विद्यालयों में कुल नामांकन 2,23,714 विद्यार्थियों का हुआ है। जिनमें से 2,20,929 विद्यार्थियों की प्रोफाइल को विद्यालयों के माध्यम से अपडेट किया गया है। इन विद्यार्थियों में से 1,13,028 विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में पात्र पाए गए जिनमें से 1,11,773 विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति की स्वीकृति की कार्यवाही संकुल के माध्यम से की गई है। इस प्रकार 99 प्रतिशत विद्यार्थियों की प्रोफाइल अपडेशन और छात्रवृत्ति की स्वीकृति का कार्य पूर्ण किया गया है। शेष एक प्रतिशत विद्यार्थियों की प्रोफाइल अपडेशन और छात्रवृत्ति की स्वीकृति की कार्यवाही निरंतर प्रचलन में है तथा नवंबर माह में ही इस कार्य को पूर्ण कर शत प्रतिशत प्रोफाइल अपडेशन और छात्रवृत्ति की स्वीकृति की जाएगी। इसके लिए सभी संस्था प्रधान एवं संकुल प्राचार्य को शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

मंदसौर जिले में 4 दिसंबर को होगा राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण

मंदसौर जिला शिक्षा अधिकारी श्री लोकेंद्र डाबी ने बताया कि, प्रत्येक 3 साल के बाद स्कूली बच्चों की क्षमता को परखने के लिए तथा उनकी उपलब्धियों का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण एनसीईआरटी के माध्यम से करवाया जाता है। प्रथम बार यह परीक्षण सन 2001 में हुआ था तथा इस बार 4 दिसंबर 2024 को यह परीक्षण होगा। इस प्रशिक्षण में कक्षा 3, 6 तथा 9 में पढ़ने वाले शालाओं के विद्यार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षण की पारदर्शिता को बनाए रखने के लिए स्कूल में ऑब्जर्वर एवं फील्ड इन्वेस्टिगेटर की उपस्थिति में विद्यार्थी परीक्षण टेस्ट में सम्मिलित होंगे।

इस प्रशिक्षण में निजी विद्यालय, स्टेट गवर्नमेंट के विद्यालय, केंद्रीय सरकार के विद्यालय, अनुदान प्राप्त विद्यालय के विद्यार्थी सम्मिलित होंगे। विद्यालयों का चयन राज्य स्तर से रेंडम पद्धति से किया गया है। इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान ,गणित, सामाजिक विज्ञान विषय के टेस्ट पेपर को ओएमआर शीट पर हल करना होता है। टेस्ट पेपर में बहुविकल्पीय प्रश्नों को सम्मिलित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में कक्षा तीसरी को संचालित करने वाले 36 विद्यालय, कक्षा छठी को संचालित करने वाले 31 विद्यालय, एवं कक्षा 9 वी को संचालित करने वाले 47 विद्यालयों के विद्यार्थी सम्मिलित किए जाएंगे। श्री आनंद डावर सहायक संचालक एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी मंदसौर ने बताया कि राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण को सफल बनाने के लिए विद्यार्थियों से राज्य स्तर से प्राप्त मॉक टेस्ट को हल करवाया जा रहा है तथा कठिन अवधारणाओं को शिक्षक गण के द्वारा विद्यार्थियों को स्पष्ट किया जा रहा है। साथ ही ओएमआर शीट पर विद्यार्थियों की प्रैक्टिस भी करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि मॉक टेस्ट के साथ-साथ राज्य स्तर से स्वयं सिद्धी ऐप पर विद्यार्थियों को प्रश्नावली को भेजा जाता है और विद्यार्थी उस प्रश्नावली को अपने शिक्षक के मार्गदर्शन में ऑनलाइन ही हल करते हैं। विगत दिनों मंदसौर विकासखंड के चयनित शालाओं का निरीक्षण भी किया गया तथा वहां के शिक्षक एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी गई है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सभी विद्यार्थियों की बनाई जा रही है अपार आईडी

मंदसौर / जिला शिक्षा अधिकारी श्री लोकेंद्र डाबी ने बताया कि, ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार)भारत के सभी विद्यार्थियों की स्कूलों के माध्यम से बनाई जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से संरेखित करते हुए यह पहल केंद्रीय सरकार द्वारा की गई है। वन नेशन वन स्टूडेंट के तहत यह विशेष पहल की जा रही है। अपार आईडी निर्माण के नोडल अधिकारी आनंद डावर सहायक संचालक शिक्षा एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी मंदसौर ने बताया की अपार आईडी बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों के पालकों की बैठक आयोजित की गई है तथा उनसे सहमति पत्र भरवारा गया है। अपार आईडी 12 अंकों की होती है इसमें छात्रों के शैक्षिक रिकार्ड, परिपलब्धियां और अन्य जानकारियां होती है। यह आईडी विद्यार्थियों के शैक्षिक इतिहास का एकीकृत डाटाबेस तैयार करती है। इस आईडी का उपयोग विद्यार्थी अन्य राज्यों के बोर्ड में प्रवेश के लिए, उच्च अध्ययन हेतु उच्च अध्ययन के संस्थानों में प्रवेश के लिए उपयोग कर सकेंगे।

बुरहानपुर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष हर्षित ठाकुर की उनसे सबसे पहले हेलीपैड पर मुलाकात हुई वहां पर उन्होंने एक छोटा सा बेल्ट तोहफे के रूप में दिया। राहुल गांधी पूरे समय इस बेल्ट को पहने हुए नजर आए। इसके बाद उन्होंने मंच पर मुलाकात कर उन्हें बुरहानपुर आने का न्योता दिया

बुरहानपुर कांग्रेस पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष हर्षित ठाकुर ने महाराष्ट्र के अमरावती में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर बुरहानपुर आने का न्योता दिया। गौरतलब हैं कि महाराष्ट्र में हो रहे विधानसभा चुनाव को लेकर बुरहानपुर के पूर्व निर्दलीय विधायक ठाकुर सुरेंद्र सिंह को भी जवाबदारी मिली है। इसी के चलते कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष हर्षित ठाकुर भी मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी कुणाल चौधरी सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ लगातार महाराष्ट्र मैं महा विकास अघाड़ी के प्रत्याशियों के लिए प्रचार प्रसार कर रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से उनके द्वारा प्रचार प्रसार किया जा रहा है। अमरावती में प्रत्याशियों के पक्ष में सभा को संबोधित करने के लिए कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहुंचे बुरहानपुर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष हर्षित ठाकुर की उनसे सबसे पहले हेलीपैड पर मुलाकात हुई वहां पर उन्होंने एक छोटा सा बेल्ट तोहफे के रूप में दिया। राहुल गांधी पूरे समय इस बेल्ट को पहने हुए नजर आए। इसके बाद उन्होंने मंच पर मुलाकात कर उन्हें बुरहानपुर आने का न्योता दिया। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के केशी वेणुगोपाल छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उम्मीदवार यशोमती ठाकुर सुखदेव पासे इमरान प्रतापगढ़ी सहित वरिष्ठ कांग्रेस के नेताओं से मुलाकात की और उन्हें बुरहानपुर आने का निमंत्रण दिया है।

पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर , देवेंद्र पाटीदार ने थाना शिकारपुरा,पर्यटक चौकी का किया

बुरहानपुर,,पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर देवेंद्र पाटीदार, ने 17.11.2024 को थाना शिकारपुरा एवं पर्यटक चौकी आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल रहे मौजूद उन्होंने थाना बंदीगृह, विभिन्न रजिस्टरों और सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारियों को रिकार्ड संधारण, बंदी हवालात, मालखाना, थाना भवन परिसर, मिटींग हाल, कम्प्युटर सिस्टम आदि के रख रखाव संबंधी निर्देश दिए। साथ ही आम जनता की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण में थानों की साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। और गुंडा निगरानी बदमाशों की नियमित जांच के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने जनता के साथ अच्छा व्यवहार करने की सलाह दी। थाने में आने वाले पीड़ित को संवेदनशील होकर सुने उसे बिठाये सुने व उसकी समस्या-शिकायत का त्वरित निराकरण करेंद्य इस निरीक्षण से थानों की कार्य प्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

रतलाम मेडिकल कॉलेज का प्रथम दीक्षांत समारोह संपन्न

कैबिनेट मंत्री श्री चेतन्य काश्यप के हाथों प्रथम बेच के विद्यार्थी उपाधि प्राप्त कर खुशी से झूम उठे

रतलाम रतलाम के शासकीय डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे मेडिकल कॉलेज का प्रथम दीक्षांत समारोह रविवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रथम बैच के 120 विद्यार्थी समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप के हाथों अपनी एमबीबीएस की उपाधि प्राप्त कर खुशी से झूम उठे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री डॉ. लीला जोशी, मेडिकल कॉलेज के प्रथम डीन तथा वर्तमान में इंदौर शासकीय मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. संजय दीक्षित, महापौर श्री प्रहलाद पटेल, श्री मनोहर पोरवाल, श्री गोविंद काकानी, श्री हेमंत राहोरी, रतलाम मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. अनीता मुथा, कॉलेज के प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा उनके परिजन मौजूद रहे। इसके पूर्व मंत्री श्री काश्यप ने दीक्षांत समारोह प्रारंभ होने की औपचारिक घोषणा की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि कॉलेज का प्रथम दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों, उनके परिवार जनों एवं कॉलेज अध्यापकों के साथ-साथ रतलाम नगर एवं मध्य प्रदेश के लिए भी गौरवशाली क्षण है। उन्होंने एमबीबीएस उपाधि प्राप्त करने वाली कॉलेज की प्रथम बैच के विद्यार्थियों को बधाई, शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आपके जीवन के लिए एक माइल स्टोन है। यहां आपके जीवन का निर्माण हुआ है। आप आगे चलकर इस कॉलेज का नाम रोशन करेंगे। मंत्री श्री काश्यप ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वह अपने जीवन में सदैव सेवा का भाव रखें। उन्होंने कहा कि रतलाम मेडिकल कॉलेज ने अल्प समय में एक प्रतिष्ठा और ऊंचाइयां प्राप्त की है जो हमारे लिए गर्व की बात है। यह कॉलेज हमारे अन्चल में एक सौभाग्य है। इसके निर्माण से लेकर अब तक की उपलब्धियां के पीछे एक लंबा समर्पण रहा है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मेडिकल कॉलेज ने कोरोना काल के दौरान रोगियों की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। मेडिकल कॉलेज के निर्माण एवं उपलब्धियां में कॉलेज के प्रथम डीन डॉ. संजय दीक्षित, महापौर श्री प्रहलाद पटेल, पद्मश्री डॉ. लीला जोशी, समाजसेवी श्री गोविंद काकानी आदि व्यक्तियों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। पद्मश्री डॉ लीला जोशी ने अपने प्रेरक उद्बोधन विद्यार्थियों को भावी जीवन में उन्नति एवं सेवा कार्य के लिए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। महापौर श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि कॉलेज का प्रथम दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों, उनके परिजनों, कॉलेज प्राध्यापको तथा हम सबके लिए गौरवशाली क्षण है। महापौर ने रतलाम मेडिकल कॉलेज के निर्माण और अब तक की उपलब्धियां में कैबिनेट मंत्री श्री चेतन्य काश्यप के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए विद्यार्थियों से आग्रह किया कि अपने चिकित्सकीय सेवा काल के दौरान गरीब व्यक्ति और गरीब रोगियों की मदद एवं सेवा के लिए एक विशेष सेवा भाव सदैव जीवन में रखें। इस अवसर पर कॉलेज के प्रथम डीन डॉ. संजय दीक्षित ने कॉलेज के निर्माण से लेकर अब तक की उपलब्धियो पर प्रकाश डाला। डॉ. दीक्षित ने कहा कि कॉलेज के प्रथम दीक्षांत समारोह के अवसर पर वे आत्मीय प्रसन्नता से ओतप्रोत है। उन्होंने प्रथम बैच विद्यार्थियों को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। कॉलेज की डीन डॉ. अनीता मुथा ने रतलाम मेडिकल कॉलेज की प्रगति, उपलब्धियां एवं उसमें योगदान देने वाले व्यक्तियों का जिक्र किया

पति पर हत्या का आरोप...

लंदन में कार की डिक्की में मिला महिला का शव...

इंटरनेशनल डेस्क: यूके के लंदन में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 24 वर्षीय भारतीय मूल की महिला का शव एक कार की डिक्की में मिला है। पुलिस को शक है कि महिला की हत्या उसके पति ने की है, जोकि फिलहाल अभी फरार है। यह घटना इस महीने की शुरुआत में हुई थी, और पुलिस महिला के पति का पता लगाने में जुटी हुई है।

क्या हुआ?

कुछ दिन पहले पूर्वी लंदन के इलफोर्ड इलाके में ब्रिस्बेन रोड पर एक लावारिस कार खड़ी थी। जब पुलिस ने उस कार की जांच की, तो कार की डिक्की में 24 साल की हर्षिता ब्रेला का शव मिला। शव के मिलने के बाद से पुलिस को शक है कि हर्षिता की हत्या उसके पति पंकज लांबा ने की है।

पुलिस का मानना है कि पंकज लांबा घटना के बाद से फरार है। उसकी तलाश के लिए पुलिस ने 60 डिटेक्टिव्स की टीम बनाई है, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस को यह भी शक है कि पंकज शायद देश छोड़कर भाग चुका है।

क्या कह रही है पुलिस?

पुलिस ने बताया कि हर्षिता और पंकज के बीच किसी तरह का विवाद हो सकता है, लेकिन अब तक इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। शव को बरामद करने के बाद से पुलिस ने पंकज लांबा की तलाश तेज कर दी है, और सभी संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

क्या हैं जांच के परिणाम?

फिलहाल, पुलिस ने पंकज के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है, लेकिन उसकी गिरफ्तारी के बारे में अभी कोई ठोस जानकारी नहीं मिली है। पुलिस की टीमें पंकज के ट्रैक पर हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि वह कहां हो सकता है।

बता दें कि यह घटना लंदन में भारतीय समुदाय के बीच एक बड़े मुद्दे का कारण बन गई है, और लोगों में हर्षिता की मौत को लेकर गहरी चिंता और शोक है।

पुलिस मामले की जांच जारी रखे हुए है, और जल्द ही कोई नई जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला

ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाकर दागी 120 मिसाइलें और 90 ड्रोन

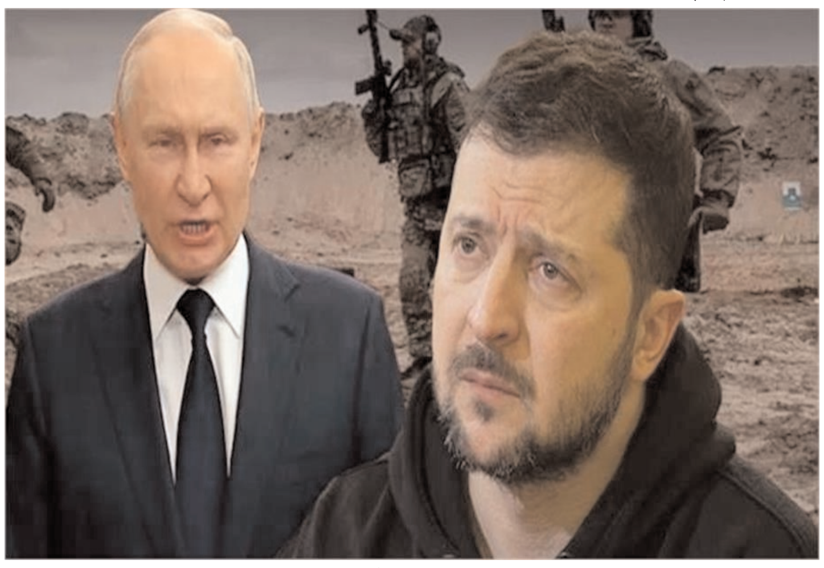

इंटरनेशनल डेस्क: रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर रविवार को बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। रूस के इस हमले को हाल के महीनों में यूक्रेन पर किया गया सबसे भीषण हमला बताया जा रहा है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इस बात की आशंका बढ़ रही है कि मॉस्को की मंशा सर्दियों के मौसम से पहले यूक्रेन की बिजली उत्पादन क्षमता को नष्ट करने की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने यूक्रेन में बड़े पैमाने पर हमला करते हुए कुल 120 मिसाइलें और 90 ड्रोन दागे।

जेलेंस्की ने दावा किया कि हमले में विभिन्न प्रकार के ड्रोन का इस्तेमाल किया गया, जिनमें ईरान निर्मित शाहिद, साथ ही क्रूज, बैलिस्टिक और विमान से प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइलें भी शामिल हैं। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम पर साझा किये गए एक बयान में कहा कि यूक्रेनी सुरक्षाबलों ने 140 मिसाइल और ड्रोन को मार गिराया। जेलेंस्की ने कहा, ''दुश्मन का लक्ष्य यूक्रेन में हमारा ऊर्जा ढांचा था। टकराने और गिरने वाले मलबे से नुकसान पहुंचा है। माइकोलाइव में ड्रोन हमले के परिणामस्वरूप दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए, जिनमें दो बचे भी शामिल हैं। कीव के सिटी सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको के अनुसार ड्रोन और मिसाइल का संयुक्त हमला तीन महीनों में सबसे बड़ा था।

फरवरी 2022 में मॉस्को द्वारा अपने पड़ोसी पर किए गए पूर्ण आक्रमण के बाद से रूसी हमलों ने यूक्रेन के बिजली के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण बार-बार आपातकालीन रूप से बिजली की कटौती की गई है। यूक्रेन के अधिकारियों ने नियमित रूप से पश्चिमी सहयोगियों से आग्रह किया है कि वे हमलों का मुकाबला करने तथा मरम्मत के लिए देश की हवाई सुरक्षा को मजबूत करें। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार रविवार को यूक्रेन में राजधानी कीव, प्रमुख दक्षिणी बंदरगाह ओडेसा तथा देश के पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों सहित पूरे यूक्रेन में विस्फोटों की आवाज सुनी गईं।

मणिपुर हिंसा में एक प्रदर्शनकारी की मौत

बीजेपी-कांग्रेस दफ्तरों में तोड़फोड़

नेशनल डेस्क। मणिपुर के घाटी इलाकों में हिंसा और विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ते जा रहे हैं। रविवार को जिरीबाम जिले में गोलीबारी में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। साथ ही बीजेपी-कांग्रेस दफ्तरों में भीड़ ने तोड़फोड़ भी शुरू कर दी। यह घटना रात करीब 11 बजे बाबूपारा क्षेत्र में हुई जब सुरक्षाबलों ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए गोली चलाई। मृतक की पहचान अथौबा के रूप में हुई है।

हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं

हिंसा के दौरान भीड़ ने भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के स्थानीय दफ्तरों में तोड़फोड़ की और फर्नीचर सहित अन्य सामान को आग लगा दी। यह घटनाएं जिरीबाम पुलिस स्टेशन से महज 500 मीटर की दूरी पर हुईं। घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन उसकी हालत के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

इस बीच मणिपुर में बढ़ती हिंसा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज अधिकारियों के साथ एक बैठक करेंगे। इस बैठक में गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्रीय गृह सचिव, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और असम राइफल्स के अधिकारी शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य मणिपुर में बिगड़ी कानून-व्यवस्था पर चर्चा करना और संकट का समाधान ढूंढना है।

कर्फ्यू और इंटरनेट सेवाओं का निलंबन

मणिपुर में बढ़ती हिंसा के कारण, इम्फाल पश्चिम और इम्फाल पूर्व जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। साथ ही, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए घाटी के सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दी गई हैं। इससे पहले, मणिपुर में छह लोगों की हत्या के बाद स्थिति और बिगड़ गई थी और हिंसा फैलने लगी थी।

एनपीपी न भाजपा से समर्थन लिया वापस

मणिपुर के बढ़ते संकट के बीच नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने भाजपा के नेतृत्व वाली मणिपुर सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। एनपीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा को पत्र लिखकर राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने पत्र में लिखा कि राज्य सरकार मणिपुर में चल रहे संकट को सुलझाने में पूरी तरह से विफल रही है।

भाजपा का असर

बता दें कि 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 60 सीटों वाली विधानसभा में 32 सीटें जीती थीं, लेकिन एनपीपी के समर्थन से बाहर होने के कारण अब भाजपा का आंकड़ा घटकर 32 रह गया है। इस विकास से भाजपा की स्थिति विधानसभा में कमजोर होती नजर आ रही है।

पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारी

मणिपुर पुलिस ने भीड़ द्वारा की गई तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं में 23 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक पिस्तौल, सात गोलियां और आठ मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

गाजा में इजरायली हवाई हमले से दर्जनों लोगों की मौत

बेरूत में हिजबुल्ला का मुख्य प्रवक्ता भी ढेर

इंटरनेशनल डेस्क: रविवार को उत्तरी गाजा के बेइत लाहिया इलाके में एक बहुमंजिला रिहायशी इमारत पर इजरायल के हवाई हमले में दर्जनों फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों और चिकित्सा कर्मियों ने बताया कि इस हमले में 72 लोगों की जान गई है। हिजबुल्ला के एक अधिकारी के मुताबिक, मध्य बेरूत में हुए इजराइली हमले में चरमपंथी समूह के मुख्य प्रवक्ता की मौत हो गई। गाजा की हमास द्वारा संचालित मीडिया कार्यालय के अनुसार, रविवार सुबह हुए इस हमले ने एक ऐसी इमारत को निशाना बनाया जिसमें छह परिवार रह रहे थे। हालांकि, इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

इजरायली वायु सेना ने लेबनान के दक्षिणी उपनगरों में तीन अलग-अलग स्थानों पर हमले किए, जो कि हिज़्बुल्लाह का गढ़ माना जाता है। इन हमलों में बैरुत और टायर शहर सहित अन्य क्षेत्रों को भी निशाना बनाया गया। इजरायली सेना के अनुसार, ये हमले खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए और हिज़्बुल्लाह के कमांड सेंटर्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया गया।

गाजा के निवासियों पर बढ़ता संकट

गाजा के बेइत लाहिया, बेइत हानून और जबालिया इलाकों में इजरायली सेना ने भारी बमबारी की। इन इलाकों में लोगों को निकालने के आदेश दिए गए हैं, जिससे चिंता बढ़ रही है कि इजरायल गाजा के उत्तरी हिस्से को पूरी तरह खाली करवाने की योजना बना रहा है। डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने शुक्रवार को कहा, इजरायली बलों द्वारा चलाए जा रहे अभियान से लगता है कि गाजा के उत्तरी हिस्से से फिलिस्तीनियों को पूरी तरह खत्म करने की योजना बनाई जा रही है। इसमें उन्हें मारना, जबरन निकालना या भूखा रखना शामिल है। इजरायल ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि उनके हमले हमास को रोकने और आतंकवादी समूहों को फिर से संगठित होने से रोकने के लिए किए जा रहे हैं।

चिराग पासवान का आरोप

कांग्रेस ने हमेशा बाबासाहेब आंबेडकर का अपमान किया

मुंबई. केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को दावा किया कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का कांग्रेस ने हमेशा अपमान किया। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों में भारतीय संविधान के वास्तुकार आंबेडकर की हार सुनिश्चित की थी।

बिहार के हाजीपुर से सांसद चिराग पासवान ने मुंबई के दादर स्थित चैत्य भूमि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आंबेडकर के आदर्शों को लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। यही कारण है कि विपक्ष डरा हुआ है और नेता संविधान की प्रतियां दिखा रहे हैं। चैत्य भूमि में आंबेडकर का अंतिम संस्कार किया गया था।

चिराग पासवान ने कहा कि 1989 से पहले संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आंबेडकर की तस्वीर नहीं लगाई गई थी, जबकि वहां दीवारों पर ''एक ही परिवार के तीन सदस्यों की तस्वीरें लगी हुई थीं। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की सोच को दर्शाता है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने मुंबई आए थे।

रियल एस्टेट कारोबारी का किडनैपिंग मामला: दोस्त ने मांगी 5 करोड़ की फिरौती

नेशनल डेस्क। भोपाल में एक अजीब और चौंकाने वाला किडनैपिंग मामला सामने आया है। एक रियल एस्टेट कारोबारी को उसके ही दोस्त ने किडनैप किया और फिरौती के तौर पर 5 करोड़ रुपए मांगे।

लेकिन बाद में फिरौती में मिले 30 लाख रुपए लेकर आरोपियों ने उसे छोड़ दिया। इस घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्या था पूरा मामला?

सूत्रों के अनुसार प्रॉपर्टी डीलर नितेश ठाकुर को उसके दोस्त पंकज परिहार और पुलिसकर्मी हेमंत चौहान ने साजिश के तहत किडनैप किया। पहले तो उसे बैंकाक घुमाने के बहाने वहां ले गए, लेकिन भारत लौटने के बाद उसे ग्वालियर में सगाई के बहाने रोक लिया और फिर उसका अपहरण कर लिया। फिरौती के तौर पर आरोपियों ने नितेश से 5 करोड़ रुपए की मांग की।

नितेश ठाकुर की पत्नी ने 30 लाख रुपए देकर अपहरणकर्ताओं से अपने पति को छुड़ा लिया। नितेश ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि उसके दोस्त पंकज परिहार और पुलिस आरक्षक हेमंत चौहान ने उसे ग्वालियर में मारपीट कर किडनैप किया और फिरौती के लिए 5 करोड़ रुपए की मांग की। बाद में जब 30 लाख रुपए दिए गए तो आरोपियों ने उसे छोड़ दिया।

पुलिस ने क्या कार्रवाई की?

घटना 27 से 29 अक्टूबर के बीच की है। इस मामले में 20 दिन बाद कोलार थाना क्षेत्र में एक रिपोर्ट दर्ज की गई है, जिसमें संजय राजावत, पंकज परिहार, हेमंत चौहान (पुलिस आरक्षक), ओम राजावत और आकाश राजावत को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

मुख्य साजिशकर्ता कौन था?

वहीं पुलिस सूत्रों के अनुसार इस किडनैपिंग के मुख्य साजिशकर्ता पुलिस आरक्षक हेमंत चौहान उर्फ हनी चौहान था, जिसने अपने साथ 10-15 बदमाशों को मिला लिया था। हेमंत और उसके साथियों ने नितेश ठाकुर को हथियारों के बल पर कई जगहों पर बंधकर रखा। शुरुआत में उन्होंने 5 करोड़ की फिरौती मांगी, लेकिन बाद में 30 लाख लेकर नितेश को छोड़ दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569